के.डी.न्यूज

सुलतानपुर से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

UPHIN 47497

वर्ष–01 अंक 38 सुलतानपुर गुरुवार 12 दिसम्बर 2024 मूल्य : दो रूपया पृष्ठ : 4

गरीबों की जमीन कब्जा मुक्त कराएं

दबंगों को सबक सिखाएं अधिकारी योगी आदित्य नाथ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को गरीबों की जमीनों को कब्जे से मुक्त कराने और अवैध कब्जा करने वाले दबंगों को कानूनी सबक सिखाने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले भूमाफिया और गरीबों को उजाड़ने वाले दबंग किसी भी दशा में बख्शे न जाएं।

एजेंसी / गोरखपुर । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को गरीबों की जमीनों को कब्जे से मुक्त कराने और अवैध कब्जा करने वाले दबंगों को कानूनी सबक सिखाने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले भूमाफिया और गरीबों को उजाड़ने वाले दबंग किसी भी दशा में बख्शे न जाएं, उनके खिलाफ बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं करने की नीति का अनुसरण करते हुए कठोर से कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुन रहे थे।इस दौरान करीब 200 लोगों से मुलाकात करके उन्होंने आश्वस्त किया कि "किसी के साथ अन्याय नहीं होगा।"उन्होंने प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए समस्याओं के त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश दिया और लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने कहा, "सबको न्याय मिलेगा और सबकी पीड़ा दूर की जाएगी।" जनता दर्शन में दूसरे जिलों के भी लोग आए थे। इस दौरान कुछ महिलाओं ने भूमाफिया और दबंगों द्वारा जमीन कब्जाने की शिकायत की, जिसपर मुख्यमंत्री ने कहा कि भूमाफिया को करारा सबक सिखाया जाएगा और उनके रहते कोई भी किसी कमजोर या गरीब को उजाड़ नहीं पाएगा।मुख्यमंत्री ने पास में मौजूद प्रशासन व पुलिस के अफसरों को निर्देश दिया कि जबरन जमीन कब्जा करने वालों को चिन्हित करके उनके खिलाफ सख्त विधिक कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी दबंग, माफिया, अपराधी किसी की जमीन पर कब्जा न कर पाए। मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे, जिन्हें आश्वस्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। लोगों के प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को सौंपते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी खर्चे की प्रक्रिया जल्द से जल्द पूरी की जाए। मुख्यमंत्री ने अफसरों से कहा कि वे हर जरूरतमंद का आयुष्मान कार्ड बनवाएं ताकि इलाज के लिए उन्हें परेशान न होना पड़े।

झारखंड विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण में कई अहम घोषणाएं, महिलाओं को नौकरियों में 33 प्रतिशत आरक्षण का वादा

एजेंसी / रांची ।झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने बुधवार को झारखंड की छठी विधानसभा के पहले विशेष सत्र में अभिभाषण करते हुए सरकार की ओर से ओर कई अहम घोषणाएं की। उन्होंने कहा कि राज्य की सरकारी नौकरियों में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा। राज्यपाल ने राज्य के आदिवासियों–मूलवासियों के लिए स्थानीय नीति बनाकर उन्हें तृतीय और चतुर्थ वर्ग की सरकारी नौकरियों में शत–प्रतिशत आरक्षण देने का संकल्प व्यक्त किया। राज्यपाल ने राज्य की सरकार का रोडमैप और विकास की परिकल्पना सदन में प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि केंद्र और उसकी कंपनियों के पास राज्य के 1.36 लाख करोड़ रुपए बकाया हैं। इस राशि को वापस लेने के लिए राज्य की सरकार कानूनी उपाय करेगी। झारखंड की हो, मुंडारी, कुडुख और अन्य जनजातीय भाषाओं को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल कराने की पहल करने, सभी किसानों को ब्याजमुक्त ऋण देने, सरना आदिवासी धर्म कोड को लागू करने, बच्चों को केजी से पीजी तक निरूशुल्क शिक्षा देने की व्यवस्था जैसी घोषणाएं भी अभिभाषण में की गई हैं। अभिभाषण की शुरुआत करते हुए राज्यपाल ने छठी विधानसभा के सभी निर्वाचित सदस्यों को शुभकामनाएं दी और उम्मीद जताई कि राज्य के सभी नवनिर्वाचित विधायक सुखी, समृद्ध एवं उन्नत झारखंड के निर्माण के लिए पूरी निष्ठा से काम करेंगे। उन्होंने कहा कि षष्ठम विधानसभा के लिए शांतिपूर्ण चुनाव प्रक्रिया की समाप्ति के बाद राज्य में एक मजबूत एवं स्थिर सरकार के गठन का जनादेश जनता ने दिया है। हम इसके लिए राज्य की जनता को साधुवाद देते हैं और जनादेश का सम्मान करते हुए जन आकांक्षाओं पर खरा उतरने का संकल्प लेते हैं। राज्यपाल ने कहा कि यह सरकार झारखंड की मूल चेतना के साथ समावेशी विकास का ध्येय लेकर और आगे बढ़ेगी। सरकार बिना किसी द्वेष के वंचितों को विशेष महत्व देने की मानवीय सोच के साथ सबको उचित अधिकार, सबको सुरक्षा और हर द्वार तक समृद्धि पहुंचाने को प्रतिबद्ध है। राज्यपाल ने कहा कि पंचम विधानसभा में सरकार ने आदिवासियों को 28 प्रतिशत, अन्य पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत और अनुसूचित जाति को 12 प्रतिशत आरक्षण देने के अलावा सरना आदिवासी धर्मकोड का प्रस्ताव पारित कराकर भेजा है, जो अभी केंद्रीय गृह मंत्रालय के पास लंबित हैं। हमारी सरकार केंद्र से इन प्रस्तावों को जल्द मंजूरी दिलाने का प्रयास करेगी। राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में ऐलान किया कि सहारा इंडिया से पीड़ित निवेशकों की लड़ाई झारखंड सरकार लड़ेगी। उन्होंने कहा कि निचली अदालत से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक और सड़क से लेकर संसद तक हर मोर्चे पर यह लड़ाई पूरी मजबूती से लड़ी जाएगी। जब तक सभी निवेशकों को उनका पैसा नहीं मिल जाएगा, सरकार उनकी लड़ाई लड़ती रहेगी। उन्होंने कहा कि सहारा में निवेश करने वाले वैसे निवेशकों, जिनका निधन हो गया या विपरीत परिस्थितियों में आकर आत्महत्या कर ली, उनके परिजनों की सरकार मदद करेगी।

केंद्र को कार्रवाई कर बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की रक्षा करनी चाहिए:ममता

एजेंसी / नई दिल्ली । पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को कहा कि केंद्र को हिंसा प्रभावित बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों को सुरक्षा देनी चाहिए और लौटने के इच्छुक लोगों को वापस लाना चाहिए।

बनर्जी ने यह भी दावा किया कि फर्जी वीडियो जानबूझकर प्रसारित किए जा रहे हैं, क्योंकि कुछ वर्ग सांप्रदायिक तनाव भड़काने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, "हम बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के लिए सुरक्षा चाहते हैं। केंद्र सरकार को कार्रवाई करनी चाहिए। उसे उन लोगों को भी वापस लाना चाहिए जो भारत लौटना चाहते हैं।"मुख्यमंत्री जगन्नाथ मंदिर के निर्माण की समीक्षा के लिए दीघा के दो दिवसीय दौरे पर हैं। बांग्लादेश की 17 करोड़ की आबादी में लगभग आठ प्रतिशत अल्पसंख्यक हिंदू हैं, जिन्हें पांच अगस्त को शेख हसीना की अवामी लीग सरकार के पतन के बाद से 50 से अधिक जिलों में हमलों का सामना करना पड़ा है।

केजरीवाल सक्षम हैं तो वह अकेले चुनाव लड़ सकते हैं : प्रियंका चतुर्वेदी

एजेसी / नयी दिल्ली ।दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 में आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने ऐलान किया है कि पार्टी कांग्रेस के साथ गठबंधन नहीं करेगी। इस पूरे मामले पर शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने आईएएनएस से बात करते हुए प्रतिक्रिया दी। प्रियंका ने कहा कि पश्चिम बंगाल में अगर टीएमसी अकेले चुनाव लड़ सकती है तो दिल्ली में अरविंद केजरीवाल भी चुनाव लड़ सकते हैं। केजरीवाल को यह लगता है कि दिल्ली में अकेले चुनाव लड़ने के लिए सक्षम हैं और सरकार बना सकते हैं तो उनका निर्णय सभी को स्वीकार होगा। उन्होंने कहा है कि इंडिया ब्लॉक एकजुट हुआ है। हमारी विचारधारा अलग–अलग हो सकती हैं। लेकिन हमारी सोच देशहित में है। हमारी सोच है कि संविधान को कैसे बचाना है। किसी के साथ गलत हुआ है तो उसे इंसाफ दिलाना है। ईवीएम को लेकर शरद पवार के यहां इंडिया ब्लॉक के नेताओं की मुलाकात पर प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट बिल्कुल जाना जरूरी है। हमारी अपेक्षा चुनाव आयोग से यह थी कि जनता के मन में जो भी सवाल या शंका है, उसका समाधान किया जाए। अगर जनता को लगता है कि उसका वोट जहां उसने वोट किया था, वहां नहीं गया है, तो यह चर्चा का विषय बन जाता है। ऐसी चिंताओं का जवाब देना चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है, लेकिन चुनाव आयोग जवाब देने से बच रहा है। चुनाव आयोग से हमारी बहुत अपेक्षाएं थी। लेकिन वह विफल रही है। महाराष्ट्र में एक गांव बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग कर रहा है। वहां धारा 144 लागू कर दी जाती है। गांव के लोग मॉक पोल करना चाहते थे। लेकिन उन्हें नहीं करने दिया गया। मैं कहना चाहती हूं कि ईवीएम को लेकर जनता के मन में जो अविश्वास है, जनता के मन में जो भावना है, वह खत्म करना जरूरी है। हमें उम्मीद है कि सुप्रीम कोर्ट के माध्यम से चुनाव आयोग जवाब देगा। बेंगलुरु में इंजीनियर की आत्महत्या के मामले में प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा है कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि यह घटना सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। मैंने खुद वीडियो देखा, जिसमें उसने बताया कि कैसे उसे प्रताड़ित किया गया, कैसे उसे अदालत से न्याय नहीं मिला और कैसे उसे उसके बच्चे से दूर रखा गया। यह वाकई दुखद है। हमारी न्याय व्यवस्था को कभी भी किसी को ऐसा निर्णय लेने के लिए मजबूर नहीं करना चाहिए। हम यही उम्मीद करते हैं। मैं खुद प्रखर रूप से महिलाओं की आवाज उठाती हूं। लेकिन अगर किसी पुरुष के साथ भी नाइंसाफी होती है तो मैं डटकर लड़ाई लड़ूंगी। मैं मृतक के परिजनों से कहना चाहती हूं कि हम सब उनकी लड़ाई में उनके साथ हैं। इंडिया एलायंस के नेतृत्व पर उठ रहे सवाल पर प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा है कि कोई सवाल नहीं उठाया जा रहा है, यह सिर्फ चर्चा का विषय है। कोई सवालिया निशान नहीं है। पूछा जा रहा सवाल यह है कि क्या ऐसा निर्णय लिया जा सकता है। मेरा मानना है कि इंडिया एलायंस इतना मजबूत और सक्षम है, जिसमें इतने सारे नेता हैं जो एलायंस और देश का नेतृत्व कर सकते हैं। इंडिया ब्लॉक में प्रजातंत्र है। जो भी निर्णय होगा इंडिया एलायंस की मीटिंग में होगा।

भरोसा नहीं है... दिल्ली चुनाव से पहले ईवीएम को लेकर सुप्रीम कोर्ट जाने की तैयारी में इंडिया ब्लॉक

महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा कि लोगों को ईवीएम पर भरोसा नहीं है और चुनाव आयोग इसमें हस्तक्षेप नहीं कर रहा है, इसलिए हम इस आवाज को सुप्रीम कोर्ट तक ले जाएंगे।

एजेंसी / महाराष्ट्र ।चुनाव के बाद इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों के संबंध में विपक्ष के आरोपों के बीच राज्य के अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी किरण कुलकर्णी ने कहा है कि ईवीएम को हैक नहीं किया जा सकता है। हालांकि, विपक्ष का आरोप अभी भी जारी है। शिवसेना (यूबीटी) सांसद अरविंद सावंत ने कहा कि क्या चुनाव आयोग ने कभी सच बोला है? पार्टियों और उम्मीदवारों की ओर से कई बार शिकायतें की गईं लेकिन कोई संज्ञान नहीं लिया गया।श

महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा कि लोगों को ईवीएम पर भरोसा नहीं है और चुनाव आयोग इसमें हस्तक्षेप नहीं कर रहा है, इसलिए हम इस आवाज को सुप्रीम कोर्ट तक ले जाएंगे। ईवीएम को लेकर विपक्ष के सुप्रीम कोर्ट जाने पर कांग्रेस विधायक विजय वडेट्टीवार ने कहा कि ईवीएम पर कोई भरोसा नहीं है। इसका इस्तेमाल भारत के अलावा दुनिया में कहीं नहीं हो रहा है। इस पर अविश्वास का सवाल है और दुनिया इसे खारिज कर चुकी है, तो हम इसे क्यों नहीं खारिज कर सकते? हम इस मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट जा रहे हैं और हमें भरोसा है कि सुप्रीम कोर्ट इस मामले पर जरूर विचार करेगा। कथित तौर पर प्छक्. गठबंधन हाल ही में हुए महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (म्टड) में हेरफेर का आरोप लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाने की योजना बना रहा है। यह निर्णय मंगलवार (10 नवंबर) शाम को एनसीपी (सपा) प्रमुख शरद पवार और आम आदमी पार्टी प्रमुख और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के बीच हुई बैठक के दौरान किया गया। महाराष्ट्र में पवार की पार्टी एनसीपी (एसपी) समेत विपक्ष को भारी नुकसान हुआ। सूत्रों के हवाले से बताया गया कि दिल्ली विधानसभा में आगामी चुनावों के साथ, विपक्षी गुट को इस संबंध में कुछ अग्रिम योजना की आवश्यकता महसूस हुई।

एआई इंजीनियर की खुदकुशी मामला, बेंगलुरु में शिकायत दर्ज

एजेसी / बेंगलुरू। बेंगलुरू में एआई इंजीनियर अतुल सुभाष की खुदकुशी मामले में भाई की शिकायत पर बेंगलुरू पुलिस ने शिकायत दर्ज कर ली है। परिवार के सदस्यों ने इन मामलों को निपटाने के लिए पैसे की मांग की थी। उन्होंने अतुल सुभाष को परेशान किया, जिससे तंग आकर उसने आत्महत्या कर ली। हमने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 108 (आत्महत्या के लिए उकसाना), धारा 3(5) (जब दो या ज्यादा लोग शामिल हों तो सामूहिक जिम्मेदारी बनती है) के तहत मामला दर्ज किया है। बता दें कि कई केसों का सामने करने वाले अतुल सुभाष ने 9 दिसंबर को खुदकुशी कर ली थी। वह काफी परेशान था। मरने से पहले उसने एक घंटे 20 मिनट का वीडियो रिकॉर्ड किया। उसका कहना था कि क्योंकि मामला जौनपुर की अदालत में चल रहा है इसलिए उसे बार बार वहां जाना पड़ता है। इतना ही नहीं अदालत के आदेश पर अतुल हर महीने बेटे के भरण पोषण के लिए 40 हजार रुपये भी दे रहे थे। हालांकि, अतुल की पत्नी निकिता सिंघानिया की तनख्वाह 78 हजार रुपये है। इंजीनियर ने तंग आकर बेंगलुरू में आत्महत्या कर ली। उन्होंने 23 पेज का सुसाइड नोट भी लिखा और वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड किया। अतुल ने पत्नी निकिता सिंघानिया, सास, साले के मामले की सुनवाई कर रही जज पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। अतुल सुभाष ने वीडियो संदेश में बताया कि जौनपुर की फैमिली कोर्ट में सदर कोतवाली के मोहल्ला रुहट्टा निवासी पत्नी निकिता सिंघानिया ने चार मुकदमे दर्ज कराए थे। पत्नी ने आरोप लगाया था कि 26 जून 2019 को उसकी शादी अतुल से हुई थी। शादी के बाद से ही ससुराल के लोग दस लाख रुपये दहेज की मांग को

पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 108 और धारा 3(5) के तहत केस दर्ज किया है। उत्तर प्रदेश में जौनपुर के सॉफ्टवेयर इंजीनियर के आत्महत्या मामले में डीसीपी शिवकुमार गुनारे ने कहा कि बेंगलुरू में अतुल सुभाष ने आत्महत्या कर ली। उसके भाई ने मराठाहल्ली थाने में शिकायत दी है कि उनके भाई के खिलाफ उत्तर प्रदेश में कई मामले चल रहे हैं। उसकी पत्नी और उसके

डिप्टी सीएम ने सीएमओ समेत सहयोगी डाक्टरों के भ्रष्टाचार की जांच के दिए आदेश।

सुलतानपुर – डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने सुल्तानपुर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर ओपी चौधरी समेत सहयोगी डॉक्टरों के भ्रष्टाचार की जांच के दिए आदेश। मंडलीय अपर निदेशक चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण से मांगी गई रिपोर्ट। झोलाछाप डॉक्टरों को संरक्षण देकर प्रतिमाहद्द लाखों रुपए का अवैध कारोबार करने का इल्जाम। गैर पंजीकृत हॉस्पिटलों में चल रहा इलाज, नागरिकों के जीवन से हो रहा खिलवाड़। लंबी शिकायतों के बाद खुली मुख्य चिकित्सा अधिकारी ओपी चौधरी के कारनामों की पोल खुलने का दावा। सुल्तानपुर में तैनात मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ ओपी चौधरी के भ्रष्टाचार के आरोप से जुड़ा हैं मामला।

पं दीन दयाल पशु आरोग्य मेले में 778 पशुओं का हुआ इलाज।

सुलतानपुर – विकास क्षेत्र कूरेभार के ग्राम सभा भटवारा में बुधवार को पं० दीन दयाल पशु आरोग्य मेले शिविर का आयोजन किया गया। शिविर मेले का उद्घ्घाटन ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि नवतील सिंह सोनू द्वारा गोपूजन के उपरान्त फीता काट कर किया गया। प्रमुख द्वारा मिनरल मिक्सर पशुपालको में बाँट कर पशुपालन द्वारा आय दोगुनी करने के बारे में किसानों को जानकारी दी गई। ब्लाक के पशुचिकित्साधिकारी डा० शैलेन्द्र कुमार सिंह द्वारा पशुओं के रोग संबंधित बचाव व विभाग की विभिन्न योजनाओं के बारे में किसानों को विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। व डा० वीरेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा आये हुए बांझपन संबंधित पशुओं की चिकित्सा की गई। इस मौके पर ग्राम प्रधान भटवारा संदीप यादव,

ग्राम प्रधान रामदासपुर जमुना सिंह, सूर्यनरायण सिंह, भगवत प्रसाद, राम खेलावन यादव, राम चन्दर सिंह, बृजमोहन सिंह, राजमणि यादव आदि उपस्थित रहें। कुल 778 पशुओं की चिकित्सा व दवापान किया गया। मेले में कुल 183 बड़े पशु व 595 छोटे पशु पंजीकृत किए गए। पशुचिकित्सा विद के अलावा पशुपालन विभाग के श्याम लाल अमित सिंह, अरुण सिंह, संदीप, सुमन व राज बहादुर ने अपना योगदान दिया।

अरविंद केजरीवाल ने इलेक्शन कमीशन से की मुलाकात, के खिलाफ 3000 पन्नों के दिए सबूत

केजरीवाल ने आगे कहा कि हमने चुनाव आयुक्तको बताया कि कैसे एक बीजेपी सदस्य ने शाहदरा इलाके में 11,000 लोगों के वोट काटने का काम किया। इसके साथ ही उन्होने कहा कि हमने चुनाव आयोग से अनुरोध किया है कि चुनाव से पहले बड़े पैमाने पर नाम हटाने की प्रक्रिया को रोका जाए

एजेंसी / नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और सीएम आतिशी मुख्य चुनाव आयुक्त से मिलने चुनाव आयोग पहुंचे थे। केजरीवाल ने बीजेपी पर वोटर लिस्ट से वोट काटने की कोशिश का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि आज हमने चुनाव आयोग से मुलाकात की और उनके सामने 3000 पन्नों के सबूत सौंपे कि कैसे बीजेपी दिल्ली के लोगों के वोट काटने की साजिश कर रही है। गरीबों, अनुसूचित जाति और दलितों के वोट काटे जा रहे हैं। एक वोट का महत्व आप भली–भांति जानते हैं।केजरीवाल ने आगे कहा कि हमने चुनाव आयुक्त को बताया कि कैसे एक बीजेपी सदस्य ने शाहदरा इलाके में 11,000 लोगों के वोट काटने का काम किया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हमने चुनाव आयोग से अनुरोध किया है कि चुनाव से पहले बड़े पैमाने पर नाम हटाने की प्रक्रिया को रोका जाए और उन लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए जिन्होंने बड़े पैमाने पर नाम हटाने का आवेदन किया है। म्ब ने कहा है कि चुनाव से पहले कोई भी बड़े पैमाने पर डिलीट नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ताओं ने विभिन्न विधानसभाओं में हजारों मतदाताओं के नाम काटने की आवेदन चुनाव आयोग को दी हैं। चुनाव आयोग ने भी इन आवेदन पर चोरी–छिपे काम करना शुरू कर दिया है। केंद्रीय चुनाव आयोग ने हमारी शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए एक्शन लेने का आश्वासन दिया है।प्रतिनिधिमंडल में दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी, राज्यसभा सांसद संजय सिंह और राघव चड्ढा और पार्टी नेता जैस्मीन शाह शामिल थे। बैठक को सफल बताते हुए आप सुप्रीमो ने त्वरित कार्रवाई के लिए चुनाव आयोग का आभार व्यक्त किया। अगले साल फरवरी में होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव

नजदीक आने के साथ ही कथित मतदाता विलोपन एक विवादास्पद मुद्दा बन गया है।

योगी ने दी यूपी को नयी उड़ान

योगी आदित्यनाथ ने 2017 में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री पद को संभाला था। उसी समय से उनकी सरकार कुछ ऐसा करती रही है जिससे देश भर में उसकी चर्चा हुई। बात चाहे अपराधियों और माफियाओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की हो अथवा विकास परियोजनाओं की, योगी सरकार ने रिकार्ड बनाने का प्रयास किया है। इसी क्रम में इंटर नेशनल जेवर एयरपोर्ट को लिया जा सकता है। यह एयरपोर्ट भारत ही नहीं एशिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट है। उत्तर प्रदेश के जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर गत 9 दिसंबर सन 2024 को पहली बार फ्लाइट की लैंडिंग हुई। जेवर एयरपोर्ट पर फ्लाइट का लैंड होना उन लोगों के लिए खुशखबरी है, जिन्हें हवाई यात्रा करने के लिए दिल्ली एयरपोर्ट जाना पड़ता था। अब योगी आदित्यनाथ की सरकार ने यूपी के जेवर एयरपोर्ट पर वही सुविधा प्रदान कर दी है। दूसरे शब्दों में कहें तो योगी ने यूपी को नयी उड़ान दी है। यही सब कारण हैं कि प्रदेश की जनता ने योगी आदित्यनाथ की लगातार दूसरी बार सरकार बनवाने और मुख्यमंत्री बनने का अवसर दिया है। उत्तर प्रदेश में 2022 में हुए विधानसभा चुनाव में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में हर भाजपा को प्रचंड बहुमत मिला है। अब से कुछ ही महीनों में नोएडा और आसपास के लोगों को हवाई सफर करने के लिए दिल्ली नहीं जाना पड़ेगा। जेवर एयरपोर्ट से ही लोग देश और विदेश की यात्रा कर सकेंगे। एयरपोर्ट पर सुरक्षा से जुड़े सभी ट्रायल पूरे हो चुके हैं। पहली लैंडिंग के साथ जेवर एयरपोर्ट कॉमर्शियल सेवाओं के लिए तैयार हो गया है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय यानि डीजीसीए ने सभी सुरक्षा जांच के बाद नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहली सफल लॉन्चिंग करवाई है।

9 दिसंबर का सबेरा नोएडा के लिए कुछ नया ही था। उस दिन सूरज एक नया संदेश लेकर निकला था। जेवर एयरपोर्ट पर पहला विमान लैंडिंग करने वाला था। एयरपोर्ट आधिकारियों और कर्मचारियों की भी बड़ी परीक्षा होने वाली थी। विमान दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट से उड़ान भरने के बाद 10 मिनट में जेवर एयरपोर्ट पहुंचा। जेवर एयरपोर्ट पर लैंडिंग से पहले इंडिगो के विमान ने आसमान में ही 1.5 से 2 घंटे तक चक्कर लगाया। जेवर एयरपोर्ट पर लैंडिंग से पहले विमान के पायलट और एटीसी के बीच बारीकी से ध्यान रखा गया। सभी तरह की सुरक्षा जांच के बाद हरी झंडी मिलने पर विमान ने रनवे पर लैंड किया। विमान लैंडिंग का ट्रायल सफल हो चुका है। ऐसे में अब पूरी संभावना है कि अप्रैल से जेवर एयरपोर्ट को कॉमर्शियल उड़ानों के लिए खोल दिया जाएगा।

निश्चित रूप से 90 मिनट का समय बहुत महत्वपूर्ण था। उस समय तक विमान नोएडा एयरपोर्ट के पास हवा में उड़ता रहा। जेवर एयरपोर्ट पर इंडिगों विमान की पहली सफल लैंडिंग रनवे पर होते ही विमान को वॉटर कैनन से सलामी दी गयी। बताया गया कि 6 फरवरी के बाद फ्लाइट्स के लिए बुकिंग शुरू हो जाएगी। लैंडिंग के वक्त विमान में पैसेंजर्स मौजूद नहीं थे। ध्यान देने की बात है कि दुनिया के सबसे मॉर्डन एयरपोर्ट्स में से एक जेवर एयरपोर्ट है। नोएडा एयरपोर्ट को पूरी तरह डिजिटल एयरपोर्ट बनाने का काम किया जा रहा है। इसमें इनडोर नेविगेशन, पैसेंजर फ्लोर मैनेजमेंट, स्मार्टफोन से चेक इन, बैगेज ड्रॉप और सभी चेकप्वाइंट पर डिजिटल प्रोसेसिंग जैसे टेक्नोलॉजीज यूज की गई है। इस एयरपोर्ट के शुरू होने के बाद उत्तर प्रदेश देश का पहला 5 अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट्स वाला राज्य बन जाएगा। इससे यात्रियों को तो फायदा होगा ही, साथ ही उत्तर प्रदेश के वन ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी बनाने के लक्ष्य को भी बल मिलेगा।

जेवर एयरपोर्ट के रनवे को काफी खास तरह से बनाया गया है। इसे स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख एयरपोर्ट अथॉरिटी के सहयोग से बनाया गया है। जेवर एयरपोर्ट का रनवे करीब 3.9 किलोमीटर लंबा है। इसे 10 से 28 तक की संख्या दी गई है। एयरपोर्ट के सीईओ क्रिस्ट्टोफ स्प्नेलमैन ने पहले ही कहा था कि अगर आज का ट्रायल सफल रहता है तो फिर किसी और वैलिडेशन की जरूरत नहीं होगी। लैंडिंग सफल रहती इसलिए अब कमर्शियल उड़ान शुरू हो जाएंगी। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के अनुसार एयरपोर्ट का पहला फेज 1,334 हेक्टेयर में 12 मिलियन कैपेसिटी के साथ शुरू होगा। पूरी तरह तैयार होने के बाद देश में क्षेत्रफल के लिहाज से यह सबसे बड़ा एयरपोर्ट होगा। इसके टर्मिनल, एटीसी (एयर ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम) और हवाई पट्टी का काम लगभग पूरा हो चुका है। एयरपोर्ट अधिकारियों के मुताबिक अप्रैल 2025 के अंत तक इस पर कमर्शियल फ्लाइट का संचालन शुरू हो जाएगा।

जेवर एयरपोर्ट के शुरू होने के बाद नोएडा और उसके आसपास के इलाकों में रहने वाले लोग को फ्लाइट पकड़ने के लिए दिल्ली नहीं आना होगा।यहां के लोग आसानी से देश और विदेश के लिए जेवर एयरपोर्ट से फ्लाइट पकड़ सकेंगे।नोएडा, गाजियाबाद और ग्रेटर नोएडा वेस्ट के निवासी एयरपोर्ट तक आसानी से जा सकें। प्राधिकरण ग्रेटर नोएडा वेस्ट और ग्रेटर नोएडा को जोड़ने वाली 130 मीटर सड़क का चौड़ीकरण करा रहा है.ऐसे में लोगों को ट्रैफिक जाम से राहत मिल जाएगी और आसानी से एयरपोर्ट तक पहुंच सकेंगे। जेवर हवाई अड्डा से प्रदेश में शहरीकरण को बढ़ावा मिल रहा है। अंतरराष्ट्रीय फिल्म सिटी और मेट्रो लाइन विस्तार जैसी सरकारी पहलों ने एक टाउनशिप के रूप में जेवर के विकास को और गति प्रदान की है। इन पहलों ने पिछले 5 वर्षों में भूमि की कीमत में वृद्धि की है, जो 5,000 रुपये से बढ़कर 7,000 रुपये प्रति वर्ग फीट हो गई है। जमीन के दाम बढ़ने से जेवर के आसपास रहने वाले लोगों को चांदी हो गई है। इसके अलावा योगी सरकार 'यूपी एग्रीज परियोजना' के तहत जेवर एयरपोर्ट के पास एक्सपोर्ट हब की स्थापना करने जा रही है। यानी हर तरफ से जेवर का विकास हो रहा है। उत्तर प्रदेश सरकार ने नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा से फिल्म सिटी तक लाइट ट्रांजिट रेल (एलआरटी) के संचालन के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी। यानी लोगों को अच्छी कनेक्टिविटी भी मिल जाएगी। अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पूरी तरह से डिजिटल एयरपोर्ट होगा। इसमें इनडोर नेविगेशन, पैसेंजर फ्लोर मैनेजमेंट, स्मार्टफोन द्वारा चेक इन, बैगेज ड्रॉप और सभी चेकप्वाइंट पर डिजिटल प्रोसेसिंग जैसे टेक्नोलॉजीज का इस्तेमाल किया जा रहा है। भारतीय अर्थव्यवस्था को पांच ट्रिलियन डॉलर और उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डॉलर पर ले जाने के लक्ष्य को पूरा करने में जेवर एयरपोर्ट काफी सहायक होगा।एयरपोर्ट का शिलान्यास 3 साल पहले 25 नवम्बर 2021 को किया गया था और इसे रिकॉर्ड समय में बनाने का लक्ष्य रखा गया था। नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का उत्तर प्रदेश सरकार से 40 साल के लिए कॉन्सेशन करार हुआ है, जो 1 अक्टूबर 2021 से शुरू हो चुका है। नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर भारतीय संस्कृति से जुड़ी कला को दर्शाने का भी भरपूर प्रयास किया जा रहा है जिससे अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों को भारत को जानने और समझने की रुचि बढ़े। **(हिफी)**

सम्पादकीय

भारत की आर्थिक चिंताएं बढ़ी

यकीनन इस समय बढ़ते हुए रूस–यूक्रेन युद्ध और इस्त्रइल–ईरान संघर्ष के कारण भारत की भी आर्थिक चिंताएं बढ़ गई हैं। ये चिंताएं बढ़ती कीमतों, शेयर बाजार में गिरावट, माल ढुलाई की लागत बढने, खाद्य वस्तुओं की महंगाई, भारत से चाय, मशीनरी, इस्पात, रत्न, आभूषण तथा फुटिवयर जैसे क्षेत्रों में निर्यात आदेशों में कमी, निर्यात के लिए बीमा लागत में वृद्धि तथा युद्ध में उलझें हुए देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार में कमी के रूप में दिखाई दे रही हैं।

स्थिति यह है कि वैश्विक शेयर बाजार के साथ–साथ भारत के शेयर बाजार पर भी असर पडना शुरू हुआ है। पश्चिम एशिया संकट और चीन से सरकारी प्रोत्साहन के दम पर बाजार चढने के मद्देनजर भारत के शेयर बाजार में कुछ विदेशी निवेशकों के द्वारा जोखिम वाली संपत्तियां बेची जा रही हैं और वे अपना बड़ी संख्या में निवेश निकाल रहे हैं। स्थिति यह है कि सेंसेक्स और निफ्टी के लिए अक्टूबर और नवम्बर 2024 दो साल की बड़ी गिरावट के महीनों के रूप में दिखाई दे रहे हैं। पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच निवेशक सुरक्षित निवेश के तौर पर सोने की खरीदी का भी रु ख कर रहे हैं। इससे वैश्विक स्तर के साथ–साथ भारत में भी सोने की खपत और सोने की कीमत बढ़ी है।

एक चिंताजनक बात यह है कि ईरान और इस्त्रइल के बीच संघर्ष का असर वैश्विक शिपिंग रूट्स पर भी पड़ सकता है। दुनिया को मिलने वाला करीब एक तिहाई तेल और खाद्य व कृषि उत्पादों का अधिकांश यातायात इसी मार्ग से होता है। इससे खाद्य पदाथरे, जैसे कि गेहूं, चीनी और अन्य कृषि उत्पादों की कीमतें बढने लगेगी। यह बात भी महत्त्वपूर्ण है कि ईरान और इस्त्रइल के बीच युद्ध का अप्रत्यक्ष प्रभाव भारतीय फार्मास्युटिकल उद्योग पर भी पड़ सकता है, क्योंकि भारत अभी भी ज्यादातर दवाओं के लिए कच्चे माल का बड़ा हिस्सा विदेश से आयात करता है। ऐसे में दवाओं की कीमतों में बढ़ोतरी की आशंका होगी। इसमें कोई दो मत नहीं है कि पश्चिम एशिया में युद्ध के बढने पर भारतीय शेयर बाजार में तेज गिरावट और महंगाई वृद्धि का दौर निर्मित होते हुए दिखाई दे रहा है, लेकिन पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच भी भारत के कई ऐसे मजबूत आर्थिक पक्ष हैं जिनसे भारत के आम आदमी और भारतीय अर्थव्यवस्था को अधिक नुकसान नहीं हो सकेगा। खास बात यह है कि इस समय भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है।

भारत खाद्यान्न अतिशेष वाला देश है और देश के 80 करोड़ से अधिक कमजोर वर्ग के लोगों को निशुल्क खाद्यान्न वितरित किया जा रहा है। पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच भी भारत पर दुनिया का आर्थिक विश्वास बना हुआ है। नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक 21 नवम्बर तक भारत के पास 650 अरब डॉलर से अधिक का विदेशी मुद्रा भंडार है, जिससे भारत किसी भी आर्थिक जोखिम का सरलतापूर्वक सामना करने में सक्षम है। यदि दुनिया के युद्धग्रस्त देशों में युद्ध और तेजी से बढ़ेगा तो कच्चे तेल के वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढने का सिलसिला शुरू हो सकता है और अब यदि कच्चे तेल की कीमतें तेजी से बढ़ेगी तो दुनियाभर में कई वस्तुओं के दाम बढने के साथ–साथ भारत में भी कीमतें बढने का सिलसिला शुरू हो सकता है।

चूंकि ईरान दुनिया के सबसे बड़ा कच्चा तेल उत्पादकों में से एक है और यह देश पश्चिम एशिया के संवेदनशील इलाकों में स्थित है। ऐसे में ईरान के तेल बाजार में अस्थिरता से कच्चे तेल की कीमतें तेजी से बढने पर पेट्रोल, डीजल और अन्य पेट्रोलियम उत्पाद महंगे होने लगेंगे। यह भी चिंताजनक है कि अभी देश में महंगाई बढने का रु झान स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। 14 नवम्बर को राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, अक्टूबर में थोक महंगाई दर बढकर 2. 36 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो 4 महीने का उच्चतम स्तर है। बीते महीने खाद्य पदाथरे, विशेष रूप से सब्जियों और विनिर्मित वस्तुओं की कीमतें महंगी हो गई हैं।

सीरिया में शांति का दौर लौटना आसान नहीं

विश्व भर में इस्लामिक देशों में खूनखराबे, अराजकता और सत्ता पलट की घटनाओं का सिलसिला जारी है। साल 2024 में जहां हमास गाजा पट्टी और ईरान लडाई की सुर्खियों में रहे वहीं बंग्लादेश में शेख हसीना को देश छोड़कर भागने के लिए मजबूर कर युनूस सत्ता पर काबिज हो गए। साल का आखिरी महीना भी बदलाव दे रहा है। इसकी शुरुआत में ही सीरिया में तख्तापलट हो गया है। राष्ट्रपति बशर अल–असद देश छोड़कर रूस भाग गए हैं लेकिन आखिर ये सब कैसे हुआ? इसके लिए कौन जिम्मेदार है और क्यों बशर अल–असद देश छोड़ने को मजबूर हुए। ये सब जानना जरूरी है। दरअसल, 2011 में भी सीरियाई नागरिकों ने राष्ट्रपति बशर अल–असद को सत्ता से हटाने की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन किए थे लेकिन तब असद ने इसका जवाब क्रूरता से दिया था। इससे एक गृहयुद्ध शुरू हुआ, जिसमें 5 लाख से अधिक लोगों की जान गई। अब 13 साल बाद 8 दिसंबर को असद देश छोड़कर भाग गए और विपक्षी लड़ाकों ने सत्ता अपने हाथों में ले ली। लेकिन असलियत यह है कि कब्जे के बाद विद्रोहियों के लिए भी देश चलाना मुश्किल है।

करीब आठ साल तक सीरिया के गृहयुद्ध में मोर्चे स्थिर रहे, जहां असद की सरकार रूस और ईरान के समर्थन से देश के सबसे बड़े हिस्से पर राज कर रही थी, जबकि विभिन्न विपक्षी समूह उत्तर और पश्चिम में क्षेत्रों पर नियंत्रण बनाए हुए थे. लेकिन 27 नवंबर को कहानी बदल गई जब हयात तहरीर अल–शाम नामक इस्लामिक समूह, जो पिछले पांच सालों से इडलीब प्रांत पर शासन कर रहा था, उसने 13 गांवों पर कब्जा कर लिया। कुछ ही दिनों में, उन्होंने सीरिया के दूसरे सबसे बड़े शहर अलेप्पो, हमा, होम्स पर कब्जा किया और आखिरकार राजधानी दमिश्क पर भी कब्जा जमा लिया।

सीरिया के उत्तर–पश्चिम में इस्लामी आतंकवादियों ने पिछले हफ्ते राष्ट्रपति बशर अल–असद की सेना के खिलाफ एक आश्चर्यजनक हमला किया और नाटकीय रूप से क्षेत्रीय लाभ हासिल किया। सीरियाई गृह युद्ध, जो 2011 में अरब स्प्रिंग से प्रेरित सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बीच शुरू हुआ था, 2016 के अंत में एक स्थिर चरण में प्रवेश कर गया था, जब सरकार ने अपने अधिकांश खोए हुए क्षेत्रों पर फिर से कब्जा कर लिया था।

2015 में, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा सीरिया में सेना भेजने का फैसला करने से पहले, असद शासन पतन के कगार पर था। दमिश्क और अलावी–प्रभुत्व वाले तटीय शहरों को छोड़कर, उसने अधिकांश आबादी वाले शहरों को खो दिया था। फ्री सीरियन आर्मी, जबात अल–नुसरा (अल– कायदा की सीरिया शाखा) और इस्लामिक स्टेट (आई.एस.) के रूप में कई विद्रोही और जिहादी गुट थे।

रूसी हस्तक्षेप ने गृह युद्ध को पलटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जबकि अमरीका द्वारा समर्थित कुर्द मिलिशिया ने पूर्व में और कुर्द सीमावर्ती शहरों में आई.एस. से लड़ाई लड़ी, वहीं डुओसिया ईरान और हिजबुल्लाह द्वारा समर्थित सीरियाई सेना ने अन्य देशों से लड़ाई लड़ी।

आज सीरिया में तीन मुख्य किरदार हैं। सबसे महत्वपूर्ण असद सरकार है, जिसे ईरान, इराक और रूस के शिया मिलिशिया का समर्थन प्राप्त है। दूसरा खिलाड़ी सीरियन डैमोक्रेटिक फोर्सेस (एस.डी.एफ.) है, जो मूल रूप से पीपुल्स प्रोटैक्शन फोर्सेस (वाई.पी.जी.) से जुड़ा एक प्रमुख मिलिशिया समूह है, जो सीरियाई कुर्दिस्तान (रोजावा) को नियंत्रित करने वाला मुख्य सीरियाई कुर्द मिलिशिया है। तीसरा खिलाड़ी हयात तहरीर अल–शाम (एच.टी.एस.) है, जो मुख्य सरकार विरोधी बल है जो इदलिब पर नियंत्रण रखता है। आज इसे सीरियन नैशनल आर्मी (एस.एन.ए.) कहा जाता है। एच.टी. एस. का नेतृत्व 42 वर्षीय सीरियाई आतंकवादी अबू मोहम्मद अल–जौलानी कर रहा है। जौलानी 20 साल की उम्र में इराक में अमरीकी कब्जे (2003) से लड़ने के लिए इराक चला गया था और अल–कायदा में शामिल हो गया था। जब ईराक में अल–कायदा की कमान अबू बकर अल बगदादी के हाथों में थी, तो जौलानी उसके करीबी लैफ्टिनैंटों में से एक के रूप में उभरा।जब दुनिया का ध्यान सीरिया की ओर गया, तो जौलानी ने इदलिब में अपना साम्राज्य धीरे–धीरे बढ़ाया। इस्लामिक स्टेट हार गया और बगदादी मारा गया। जौलानी ने सबसे पहले अल–नुसरा फ्रंट का नाम बदलकर जबात फतेह अल–शाम कर दिया। बाद में, नाम बदलकर फिर से हयात तहरीर अल–शाम कर दिया। जौलानी एक यू.एस. द्वारा नामित आतंकवादी है। जौलानी ने हमेशा कहा था कि असद शासन को गिराना उसके उद्देश्यों में से एक था। रूस ने 24 फरवरी, 2022 को यूक्रेन से युद्ध शुरू किया। मॉस्को आज चल रहे युद्ध में व्यस्त है, और उसने सीरिया से हजारों सैनिकों को वापस भी बुला लिया है।

पिछले एक साल में, सीरिया में इसरायली हवाई हमलों में कई वरिष्ठ ईरानी जनरल मारे गए। पिछले कई वर्षों में सीरिया में इसरायल के बार–बार हवाई हमलों ने ईरानी सेना को काफी हद तक कमजोर कर दिया है।ईरान, हिजबुल्लाह और रूस के प्रत्यक्ष समर्थन के बिना, सीरिया के सैनिक असुरक्षित थे। 2016 में अलेप्पो पर फिर से कब्जा करने में असद को चार साल लग गए परन्तु एच.टी. एस. के हाथों उसे खोने में उसे सिर्फ चार दिन। यह उनके लिए एक शर्मनाक झटका है। देश के अन्य हिस्सों में विद्रोही समूहों ने सरकारी ठिकानों पर हमला करना शुरू कर दिया है खासकर दक्षिण में। दमिश्क में हिंसा के बीच चौक चौराहों पर आजादी के नारे लग रहे हैं। विद्रोहियों ने कहा है कि यह 50 वर्षों के उत्पीड़न और 13 साल के अपराध, अत्याचार और विस्थापन का अंत है। असद देश छोड़ कर भाग चुके हैं लेकिन असद को खारिज करना जल्दबाजी होगी, जो एक बार वर्षों तक चले गृह युद्ध से बच गए थे। ऐसा लगता है कि सीरिया रक्तपात के एक और लंबे दौर में फंसता चला जा रहा है। भविष्य में भी स्थिरता और शांति स्थापना की कोई गारंटी नहीं है यह विश्व भर के ज्यादातर इस्लामिक देशों की समस्या है कि वहां लगातार खूनखराबा और आतंक की अवधारणा पोषित की जाती रही है। ऐसा भविष्य में भी बना रहने की पूरी गुंजाइश है। **(हिफी)**

मानवाधिकारों का दुरुपयोग न करे

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 10 दिसम्बर 1948 को विश्व मानवाधिकार घोषणा पत्र जारी कर प्रथम बार मानवाधिकार व मानव की बुनियादी मुक्ति पर घोषणा की थी। वर्ष 1950 में संयुक्त राष्ट्र ने हर वर्ष की 10 दिसम्बर को विश्व मानवाधिकार दिवस मनाना तय किया था। विश्व मानवाधिकार घोषणा पत्र एक मील का पत्थर हैं। जिसने समृद्धि, प्रतिष्ठा व शांतिपूर्ण सह अस्तित्व के प्रति मानव की आकांक्षा प्रतिबिंबित की है। आज यही घोषणा पत्र संयुक्त राष्ट्र संघ का एक बुनियादी भाग है। इस वर्ष में मानवाधिकार दिवस की थीम असमानताओं को कम करना और मानव अधिकारों को आगे बढ़ाना है। यह भी ध्यान रहे कि मानवाधिकारों का दुरुपयोग न हो। दूसरों को अहित करने वाली स्वतंत्रता को मान्यता नहीं दी जा सकती।

मानवाधिकारों से हर व्यक्ति का हित जुड़ा होता है। आज के दौर में कोई भी मानव को उनके वास्तविक अधिकार नहीं देना चाहता है। राजनेता मानव अधिकार की बात तो जोरशोर से करते हैं मगर जब अधिकार देने की बारी आती है तो पीछे खिसकने लगते हैं। राज नेताओं को पता है कि यदि लोगों को उनके अधिकार मिल गये तो उनकी नेतागिरी बन्द हो जायेगी। हमारे देश के संविधान में मानव को बहुत सारे अधिकार दिये गये हैं। मगर उन पर अमल नहीं हो पाता है। मानव अधिकारों की रक्षा के लिए बनाये गये कानून महज कागजो में सिमट कर रह जाते हैं। मानव अधिकार वे मूल अधिकार हैं जो इस धरती पर प्रत्येक व्यक्ति के पास हैं। मानवाधिकार मौलिक अधिकार और स्वतंत्रता हैं। मानवाधिकारों में जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार, गुलामी और यातना से मुक्ति, राय और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, काम और शिक्षा का अधिकार और बहुत कुछ शामिल हैं। बिना किसी भेदभाव के हर कोई इन अधिकारों का हकदार है। भारत का स्वतंत्रता आंदोलन मानवाधिकारों के लिए प्रेरणा का एक बड़ा स्रोत रहा है। कुछ अधिकार ऐसे होते है जो व्यक्ति को जन्मजात मिलते है। उन अधिकारों का व्यक्ति के आयु, प्रजातीय मूल, निवास–स्थान, भाषा, धर्म पर कोई असर नहीं पड़ता।

भारत में 28 सितम्बर 1993 से मानव अधिकार कानून अमल में आया। 12 अक्टूबर 1993 में सरकार ने राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग का गठन किया। आयोग के कार्यक्षेत्र में नागरिक और राजनीतिक के साथ आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकार भी आते हैं। जैसे बाल मजदूरी, स्वास्थ्य, भोजन, बाल विवाह, महिला अधिकार, हिरासत और मुठभेड़ में होने वाली मौत, अल्पसंख्यकों और अनुसूचित जाति और जनजाति के अधिकार। पूरे विश्व में इस बात को अनुभव किया गया है और इसीलिए मानवीय मूल्यों की अवहेलना होने पर वे सक्रिय हो जाते हैं।

देश के विशाल आकार व विविधता तथा सम्प्रभुता सम्पन्न धर्म–निरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणतंत्र के रूप में इसकी प्रतिष्ठा, तथा एक भूतपूर्व औपनिवेशिक राष्ट्र के रूप में इसके इतिहास के परिणामस्वरूप भारत में मानवाधिकारों की परिस्थिति एक प्रकार से जटिल हो गई है। भारत का संविधान मौलिक अधिकार प्रदान करता है, जिसमें धर्म की स्वतंत्रता भी अंतर्भूक्त है। संविधान की धाराओं में बोलने की आजादी के साथ–साथ कार्यपालिका और न्यायपालिका का विभाजन तथा देश के अन्दर एवं बाहर आने–जाने की भी आजादी दी गई है। भारतीय परिदृश्य में यह समझ पाना थोड़ा मुश्किल है कि क्या वाकई में मनुष्य के लिए चिन्हित किये गए मानवाधिकारों की सार्थकता है।

इतिहास गवाह है की भारत ने कभी भी संस्कृति, धर्म या अन्य कारकों के आधार पर दूसरों को अपने अधीन करने की कोशिश नहीं की है। भारत एक ऐसा देश है जिसके मूल में मानवाधिकार की अवधारणा है। भारत के लोग मानवाधिकारों का सम्मान करते हैं और उनकी रक्षा करने का संकल्प भी लेते हैं। भारत विश्व स्तर पर आज भी मानवाधिकार का समर्थन करता रहा है। मानवाधिकार दिवस की नींव विश्व युद्ध की विभीषिका से झुलस रहे लोगों के दर्द को समझ कर और उसको महसूस कर रखी गई थी। किसी भी इंसान की जिन्दगी, आजादी, बराबरी और सम्मान के अधिकार का नाम ही मानवाधिकार है। भारतीय संविधान इन अधिकारों की न सिर्फ गारंटी देता है, बल्कि इसे तोडने वाले को अदालत सजा भी देती है। दूसरे देशों में यह नहीं होता।

पूरी दुनिया में मानवता के खिलाफ हो रहे जुल्मों–सितम को रोकने, उसके खिलाफ संघर्ष को नई परवाज देने में इस दिवस की महत्वपूर्ण भूमिका है। हर शख्स को बराबरी का अधिकार देना लोकतंत्र का अहम घटक है। यही वजह है कि आज ज्यादातर सरकार इस अधिकार को कायम करने की कोशिश कर रही है। इंसानी अधिकार हमारे अस्तित्व और दुनिया में आत्मसम्मान से रहने की गारंटी होते हैं। हमारी भौतिक और आत्मिक सुरक्षा बरकरार रखते हुए लगातार तरक्की में अहम होते हैं। इसके अंतर्गत भोजन का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, शोषण से रक्षा का अधिकार, प्रवास का अधिकार, बाल शोषण, उत्पीडन पर रोक, महिला हिंसा, असमानता, धार्मिक हिंसा पर रोक जैसे कई मजबूत कानून बनाए गए हैं। अफसोस यह कि बांग्लादेश और पाकिस्तान में अल्पसंख्यक हिन्दुओं के मानवाधिकार कुचले जा रहे हैं।

इस दुनिया में जो भी मानव जन्म लेता है उसके साथ उसके कुछ अधिकार भी वजूद में आते हैं। कुछ अधिकार हमें परिवार देता है तो कुछ समाज, कुछ अधिकार हमारा मुल्क देता है, तो कुछ दुनिया। लेकिन आज भी दुनिया में बहुत से लोग ऐसे हैं जो या तो अपने अधिकारों से अंजान है या उनके अधिकारों का हनन किया जा रहा है। कभी जात के नाम पर तो कभी धर्म के नाम पर, कभी लिंग भेदभाव के जरिए तो कभी रंग भेद नीति को अपनाकर लोगों के इन अधिकारों को कुचला जा रहा है। हर तबके, हर शहर और दुनिया के कोने–कोने में किसी न किसी वजह से लोगों को बराबरी के हक से महरूम रखने का सिलसिला बदस्तूर जारी है। इतिहास गवाह है कि दुनिया में हुई बड़ी से बड़ी क्रांति के पीछे अधिकारों का हनन ही अहम वजह रही है। हमेशा ही अपने अधिकारों के लिए इंसान को लंबी जंग लडनी पड़ी है। दुनिया में तमाम जगह लोगों ने अपन हक की लड़ाई में लाखों कुर्बानियां दी हैं और आज भी बहुत से लोग अपने अधिकारों की जंग लड़ रहे हैं।

मानवाधिकारों की रक्षा के लिए कानून बनाये गए और उनको लागू करने या करवाने के लिए प्रयास भी हो रहे हैं। लेकिन वह सिर्फ कागजी दस्तावेज बन कर रह गए हैं। समाज में मानवाधिकारों के होने वाले उल्लंघन के प्रति अगर मानव ही जागरूक नहीं है तो फिर इनका औचित्य क्या है? देखे तो पता चलेगा की कितने मानवाधिकारों का हनन मानव के द्वारा ही किया जा रहा है। मानव के द्वारा मानव के दर्द को पहचानने और महसूस करने के लिए किसी खास दिन की जरूरत नहीं होती है। अगर हमारे मन में मानवता है ही नहीं तो फिर हम साल में पचासों दिन ये मानवाधिकार का झंडा उठा कर घूमते रहें कुछ भी नहीं किया जा सकता है। **(हिफी)**

अब अमेरिका में जन्म लेने से नहीं मिलेगी नागरिकता

अमेरिकी नागरिकता हासिल करना लोगों का सपना होता है। अमेरिकी नागरिक होने के कई फायदे हैं। जैसे राज्य और संघीय चुनाव में मतदान कर सकते हैं, फेडरल जॉब्स के लिए आवेदन कर सकते हैं। अमेरिकी नागरिक को देश से निर्वासित नहीं किया जा सकता लेकिन अब लगता है कि आने वाले समय में तमाम भारतीय इन लाभों से वंचित रह जाएंगे। आम तौर पर वे लोग जिनका जन्म अमेरिका में होता है, वे ऑटोमैटिक अमेरिकी नागरिक बन जाते हैं लेकिन नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस कानून को समाप्त करने की तैयारी कर रहे हैं। इसका नुकसान उन लाखों भारतीयों को होगा जिनका जन्म अमेरिका में हुआ है। हालांकि, संवैधानिक विशेषज्ञों का मानना है कि एक राष्ट्रपति एक कार्यकारी आदेश के माध्यम से एक संवैधानिक संशोधन को एकतरफा रूप से संशोधित या रद्द नहीं कर सकता। इलिनोइस विश्वविद्यालय के श्रम और आव्रजन कानून विशेषज्ञ माइकल लेरॉय ने एक लेख में कहा "किसी भी राष्ट्रपति के पास एक संवैधानिक संशोधन को समाप्त करने या संशोधित करने का अधिकार नहीं है जबकि इस प्रभाव का एक कार्यकारी आदेश संभव है, यह स्पष्ट रूप से असंवैधानिक होगा।" ट्रंप के प्रस्ताव को जिस तरह अमेरिकी सीनेटर टॉम कॉटन और मार्शा ब्लैकबर्न जैसे रिपब्लिकन नेताओं का मुखर समर्थन मिला है, उससे साफ है कि जन्म से नागरिकता पर बहस अभी खत्म नहीं हुई है। यदि प्रशासन अपनी योजनाओं को आगे बढ़ाता है, तो यह मुद्दा निश्चित रूप से सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचेगा। यानी एक बार फिर से सुप्रीम कोर्ट अमेरिकी पहचान के एक मुख्य कानून को फिर से परिभाषित कर सकता है। अमेरिका के नव–निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप व्हाइट हाउस में अपनी वापसी की तैयारी कर रहे हैं। उनकी इमीग्रेशन पॉलिसी का सबसे विवादास्पद पहलू है जन्म से मिलने वाली नागरिकता को समाप्त करने का उनका वादा। लंबे समय से चला आ रहा यह कानून अमेरिकी संविधान के 14वें संशोधन के जरिये बना था। पिछले 150 सालों से यह अमेरिकी नागरिकता कानून का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। हाल ही में एनबीसी के एक इंटरव्यू में, अपनी डिपोर्टेशन योजनाओं के बारे में बात करते हुए,

शिक्षा से ही देश का विकास संभव : राजीव रत्न सिंह

-कैंप में दिव्यांग बच्चों को बांटे गये निःशुल्क उपकरण

मिल्कीपुर–अयोध्या। शिक्षा क्षेत्र मिल्कीपुर के कंपोजिट विद्यालय कुचेरा बाजार में मंगलवार को कैंप लगाकर दिव्यांग बच्चों को निशुल्क उपकरण एवं उपस्कर वितरित किया गया। उप जिलाधिकारी मिल्कीपुर राजीव रत्न सिंह ने मां सरस्वती के प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम की शुरुआत किया।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संतोष कुमार राय के निर्देश पर खंड शिक्षा अधिकारी मिल्कीपुर अजय कुमार त्रिपाठी द्वारा कैंप लगाकर 6 से 14 साल तक के दिव्यांग बच्चों को उपकरण व उपस्कर बांटे गए। खंड शिक्षा अधिकारी मिल्कीपुर ने मुख्य अतिथि राजीव रत्न सिंह को बुके व स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। केंद्र व राज्य सरकार द्वारा दिव्यांग बच्चों के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं स्माइल ट्रेन के माध्यम से कटे–फटे हुए होंठ व तालु हेतु निःशुल्क सर्जरी, एस्कोर्ट अलाउन्स, स्टाइपेंड भत्ता व कॉक्लिर इम्प्लांट सहित सर्जरी के बारे में जिला समन्वयक समेकित शिक्षा शिवा कांत द्विवेदी ने विस्तार जानकारी दी।

राजीव रत्न सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा से ही देश का विकास संभव है, संदेश के साथ दिव्यांग बच्चों को उनके जीवन के अंधकार से निकलकर समाज में नया आयाम स्थापित करने हेतु प्रेरित किया गया। उन्होंने स्टीफेन हॉकिन्स एवं दिव्यांग आईएएस सुहास एल वाई का उदाहरण देते हुए सभी अभिभावकों से अपील की कि वे इन उपकरणों का उपयोग करते हुए अपने बच्चों को विद्यालय में नियमित रूप से भेजने का प्रयास करें। कैंप में एलिम्को टीम के अशोक प्रताप सिंह एवं अवनीश कुमार, हंजला इरशाद की अगुवाई में 48 एम आर कीट,10 ट्राईसाइकिल, 15 व्हील चेयर, 36 हियरिंग ऐड,11 सी पी चेयर, 6 रोलेटर, 4 बैसाखी, 10 एल्बो कर्च,13 कैलीपर्स, 01 सुगम्य केन,4 ब्रेल किट,1 स्मार्ट केन सहित कुल 159 उपकरणों का वितरण किया गया। कैम्प को सम्पन्न कराने में मुख्य रूप से गणेश प्रताप सिंह, फिजियोथेरेपिस्ट डॉ विवेक कुमार श्रीवास्तव,रामकुमार मिश्रा,सुनील बौद्ध,सत्य प्रकाश सिंह,वीरेंद्र कुमार,देवकांत मिश्र,मनिकराम,महेंद्र पाठक,, रामकुमार मिश्रा,विनोद कुमार, प्रवीण यादव,महेंद्र प्रताप,बीना वर्मा,मधुरिमा पाण्डेय, रेखा देवी,पूनम राय एवं कंपोजिट विद्यालय कुचेरा के समस्त शिक्षकों का विशेष योगदान रहा। कैंप में सैकड़ों की संख्या में बच्चे एवं उनके अभिभावक उपस्थित रहे। कैंप का संचालन शिक्षक मुकेश सिंह द्वारा किया गया।

अत्याचार व सांप्रदायिकता के विरोध में विधानसभा का घेराव करेगी कांग्रेस : सत्यनारायण पटेल

-पार्टी को नए क्लेवर देने के लिए संगठन किया जाएगा पुनर्गठन,काम करने वालों को मिलेगी प्राथमिकता

अयोध्या। कांग्रेस पार्टी महंगाई ,बेरोजगारी, बिजली के स्मार्ट मीटर की लूट, बिगड़ती कानून व्यवस्था, महिलाओं के साथ अत्याचार तथा सांप्रदायिकता के विरोध में शीघ्र ही उत्तर प्रदेश विधानसभा का घेराव करेगी। उक्त बातें अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव सत्यनारायण पटेल ने कमला नेहरू भवन में अयोध्या, अंबेडकर नगर ,आजमगढ़ ,मऊ जनपद के प्रमुख कांग्रेस जनों के बीच कहीं ।उन्होंने कमेटियों के भंग होने पर कहा पार्टी को नए क्लेवर देने के लिए संगठन का पुनर्गठन किया जाएगा, जिसमें काम करने वालों को प्राथमिकता मिलेगी ।हमें ऐसे लोगों का पर्यवेक्षण करना है और उसकी रिपोर्ट केंद्रीय नेतृत्व को देनी है । राष्ट्रीय सचिव सत्यनारायण पटेल ने कहा इसी हफ्ते विधानसभा घेराव की तिथि घोषित हो जाएगी जिसमें उन्होंने प्रत्येक जिले से भारी से भारी संख्या में लोगों को अपने उपस्थिति दर्ज करने का आह्वान किया ।बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अखिलेश यादव ने किया संचालन महानगर अध्यक्ष वेद सिंह कमल ने किया । कांग्रेस प्रवक्ता सुनील कृष्ण गौतम ने जानकारी देते हुए बताया इस अवसर पर पूर्व जिला अध्यक्ष राजेंद्र प्रताप सिंहने बुके भेट कर राष्ट्रीय सचिवका स्वागत किया। जिला प्रवक्ता सुनील कृष्णा गौतम ने बताया राष्ट्रीय सचिव सत्यनारायण पटेल ने चारों जिलों के नेताओं से अलग–अलग भेंट करके संगठन के पुनर्गठन के संबंध में चर्चा की। कांग्रेस नेताओं ने उनसे मिलकर संगठन के पुनर्गठन के संबंध में अपनी बातों से अवगत कराया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से प्रदेश उपाध्यक्ष आलोक प्रसाद, महामंत्री ओमप्रकाश ओझा, मनोज गौतम ,पूर्व जिला अध्यक्ष अशोक सिंह ,रामदास वर्मा ,अनिल सिंह, प्रदेश सचिव मोहम्मद अनीस, रामसागर रावत, राम अवध पासी ,महिला अध्यक्ष रेनू राय ,युवा कांग्रेस अध्यक्ष रामेंद्र त्रिपाठी ,फ्लावर नकवी ,अनिल तिवारी, करन त्रिपाठी,रामेंद्र मोहन मिश्रा ,पंकज सिंह, भीम शुक्ला, शिवपूजन पांडे ,संजय तिवारी, राहुल मौर्य, दिनेश चौधरी, आजाद रावत ,अंबेडकर नगर जिला अध्यक्ष सुनील मिश्रा ,आजमगढ़ कांग्रेस के नेता सुरेंद्र सिंह, नरेंद्र बहादुर सिंह, शाह आलम, प्रदीप निषाद अनंत राम सिंह, अजीत वर्मा, प्रवीण श्रीवास्तव, आरिफ राजकुमार मौर्य, यूनिक वर्मा, अनंत राम सिंह, प्रदीप निषाद, रोहित यादव आदि मौजूद रहे।

डाक टिकट नन्हा राजदूत : हरे कृष्ण यादव

-उदया पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने बताया आधुनिक युग में पत्रों का महत्व

अयोध्या (आरएनएस)। सोशल मीडिया के क्रान्ति युग में आज की युवा पीढ़ी में पत्र लेखन के प्रति रुचि कम होती जा रही है एवं केवल प्रतियोगी परीक्षा के लिए छात्र पत्र लेखन का अभ्यास करते है जबकि पूर्व में एक–एक शब्द पर गहनता से विचार करके हृदय के उद्गारों को पत्र पर लिखा करते थे जो पाठक के हृदय को भाव विभोर कर दिया करता था। पत्र लेखन के लिए शब्दो का अच्छा ज्ञान होना आवश्यक है जबकि आज कल बहुत ही संक्षेप में लोग अपनी बात करते व लिखते हैं। यह विचार उदया पब्लिक स्कूल अयोध्या में ढाई आखर प्रतियोगिता के अंतर्गत आधुनिक युग में पत्रों का महत्व प्रतियोगिता के तहत पत्र लेखन के दौरान गति देने के उद्देश्य से मुख्य अतिथि प्रवर अधीक्षक डाकघर अयोध्या मण्डल हरे कृष्ण यादव ने व्यक्त किया । श्री यादव ने कहा कि हर डाक टिकट के पीछे एक कहानी छिपी है और इससे युवा पीढ़ी को रूबरू कराने की जरूरत है। वक्त के साथ छोटा सा कागज का टुकड़ा दिखने वाले ये डाक टिकट ऐसे अमूल्य दस्तावेज बन जाते है, जिनकी कीमत लाखों–करोड़ों में हो जाती है। श्री यादव ने छात्रों को सम्बोधित करते हुए कहा कि फिलेटली को "किंग आफ हाबी व हाबी आफ किंग" के रूप में जाना जाता है, जिसमें रूचि रखने पर अनंत विषयों पर डाक टिकटों का संग्रह कर सकते हैं । श्री यादव ने यह भी बताया कि ढाई आखर पत्र लेखन प्रतियोगिता के अंतर्गत "आधुनिक युग में पत्रों का महत्व" शीर्षक पर पत्र लिखा जाना है द्य प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य आज की युवा पीढ़ी से यह जानना है कि आज के सोशल मीडिया के क्रांति युग में पत्रों का क्या महत्व है। साथ ही साथ उनके अन्दर पत्र लिखने की भावना जागृत करते हुए सोशल मीडिया से दूर हटकर पत्र लेखन के प्रति अभिरुचि को बढावा देना है । साथ ही श्री यादव ने यह भी बताया कि इस ढाई आखर पत्र लेखन प्रतियोगिता में मूल्यांकन के आधार पर दोनों ग्रुपों में तीन तीन प्रतिभागियों को चयनित किया जाएगा जिन्हें राष्ट्रीय एवं परिमण्डल स्तर पर पुरस्कृत किया जाएगा जिसके अंतर्गत राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पाने वाले प्रतिभागी को क्रमशः 50000ः–, 25000ः– एवं 10000ः – तथा परिमण्डल स्तर पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पाने वाले प्रतिभागी को

क्रमशः 25000ः–,10000ः–एवं 5000ः–दिया जायेगा । इस दौरान स्कूल के प्रिंसिपल जीवेंद्र सिंह ने कहा कि सूचना एवं प्रौद्योगिकी के बदलते दौर में आज की युवा पीढ़ी सोशल मीडिया को अधिक तरजीह दे रही है ऐसे में उनकी पुरानी परम्परागत संचार शैली को बरकरार रखने के लिए बच्चों को फिलेटली (डाक टिकट संग्रह) से भी जुड़ना चाहिए इससे उनका सामान्य ज्ञान भी विकसित होगा। साथ ही उन्होंने कहा कि सिविल की तैयारी करने वाले छात्रों को फिलेटली से जरूर जुड़ना चाहिए जिससे उन्हें सामान्य ज्ञान की परीक्षा में सार्थक साबित होगा । इस अवसर विद्यार्थियों ने लेटर बॉक्स में लिखे पत्रों को भी पोस्ट किया साथ ही डाक विभाग की कार्य शैली के गुर सीखे । मुख्य विपणन अधिकारी सत्येन्द्र प्रताप सिंह,ने बताया कि ढाई आखर पत्र लेखन प्रतियोगिता 14 दिसम्बर तक आयोजित है । इस दौरान ज्योतिरादित्य सिंह, जितेन्द्र यादव, प्रतिष्ठा पाण्डेय इंचार्ज,आदि मौजूद रहे

परिषदीय विद्यालयों में मनाया गया मेगा अपार दिवस

मिल्कीपुर–अयोध्या। शिक्षा क्षेत्र मिल्कीपुर अंतर्गत परिषदीय विद्यालयों में मेगा अपार दिवस मनाया गया। मौजूदा समय बेसिक शिक्षा विभाग में अध्ययनरत प्रत्येक बच्चों का एक यूनीक आईडी बनाया रहा है। जिसे अपार आईडी का नाम दिया गया है इसमें बच्चों के सभी शैक्षिक दस्तावेजों का समावेश रहेगा जिससे बच्चों को भविष्य में पढ़ाई में सुगमता रहेगी। इसी क्रम में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अयोध्या के आदेशानुसार मिल्कीपुर ब्लॉक के सभी परिषदीय विद्यालयों में 9 व 10 दिसंबर को मेगा अपार दिवस मनाया गया ।मिल्कीपुर के पूर्व माध्यमिक विद्यालय करमडांडा में अपार दिवस के अवसर पर विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमें विद्यालय के बच्चों ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ विषय पर एकांकी का मंचन कर संदेश दिया कि सभी परिवारों में बेटियों को पढ़ाई का बेटों के समान अवसर मिलना चाहिए। इसके अलावा बच्चों ने कई अन्य गतिविधियों को भी प्रदर्शित किया ।इसके अलावा कार्यक्रम में शिक्षकों ने अपार आईडी के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए उसके महत्व पर चर्चा किया। इस मौके पर शिक्षिका प्रतिमा रानी श्रीवास्तव,वंदना श्रीवास्तव, वकार अहमद,राजकुमार आदि मौजूद रहे

कुडौली में आयोजित हुआ भगवान परशुराम के चौथे स्थापना दिवस पर कार्यक्रम

-बब्बू पाण्डेय के जन्मदिवस पर गरीबों को कम्बल और साड़ी

सोहावल–अयोध्या ।कुडौली में आयोजित भगवान परशुराम के चतुर्थ मंदिर स्थापना दिवस पर प्रदेश की राजधानी से आए

भाजपा के नेताओं ने हिंदू और हिंदुत्व के मुद्दे पर बेबाकी से अपनी बात रखी। विपक्षी दलों के नेताओं को मुस्लिम कट्टरवादियों का नेता बताया और हिंदुत्व वादियों को अपनी सहिष्णुता छोड़ने की सलाह दी। मंगलवार को गांव निवासी समाजसेवी और भाजपा के बाहुबली नेता माने जाने वाले करूणाकर पांडेय बब्बू परिवार द्वारा स्थापित भगवान परशुराम के मंदिर का चतुर्थ स्थापना दिवस मनाया गया। इसे समाज सेवी ने अपने जन्म दिवस के रूप में भी मनाया और प्रदेश के मोहन लालगंज विधायक अमरेश कुमार और महिला पिछड़ा आयोग की सदस्या ऋचा राजपूत सहित कई नेताओं के साथ कंबल और साड़ी वितरण के लिए बड़ी संख्या में महिलाओं को आमंत्रित किया। समाजसेवी को शुभकामना देने के साथ अपने संबोधन में दोनो मुख्य अतिथियों ने नारी सशक्तिकरण और हिंदुत्व के मुद्दे की जमकर वकालत की। विधायक अमरेश ने कहा हिन्दू धर्म और हिंदुत्व के लिए मुस्लिम कट्टर वादिता खतरे की घंटी है यह आज सनातन समाज के लिए खतरा बन चुका है। वहीं महिला पिछड़ा वर्ग की सदस्या ऋचा ने बड़ी बेबाकी से अपनी बात रखते हुए कहा हिन्दू और हिंदुत्व एक भावना है इसकी रक्षा के लिए हिन्दू समाज को अपनी सहिष्णुता छोड़ना होगा। बंगला देश की घटनाओं से हिंदू समाज को सबक लेना चाहिये। बीकापुर की पूर्व विधायक शोभा सिंह चौहान भाजपा नेता एसपी श्रीवास्तव भाजपा प्रदेश पिछड़ा वर्ग के मंत्री जैनेन्द्र वर्मा, नेता अभय सिंह आदि ने मिलकर 5 हजार से ज्यादा महिलाओं को साड़ी कंबल बांटा और नारी सशक्तिकरण पर बल दिया। करन सिंह, पाण्डेय बंधुओं में अरुणाकर पाण्डेय राकेश पाण्डेय, रत्नाकर पाण्डेय, अंजनी पाण्डेय, दुर्गेश बाबू आदि के साथ मौजूद लोगो में मार्लेन्द्र तिवारी, अनुभव पाण्डेय, अनुपम मिश्र, अरुण तिवारी, हेमंत मिश्र अंकित आदि मौजूद रहे।

विधि और न्याय मानव अधिकारों के संवाहक :प्रो अशोक राय

अयोध्या (आरएनएस)। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल के निर्देशन में मंगलवार को मानव अधिकार दिवस पर विधि विभाग में मानव अधिकार एवं भारत का संविधान विषय पर व्याख्यान एवं भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम में विधि संकायाध्यक्ष प्रो0 अशोक कुमार राय ने कहा कि विधि और न्याय मानव अधिकारों के संवाहक हैं। हमारे संविधान ने हर नागरिक को मौलिक अधिकार प्रदान किए हैं, लेकिन उनकी रक्षा करना हम सभी का नैतिक कर्तव्य है। इस दिवस पर हमें यह प्रण लेना चाहिए कि हम अपने प्रयासों से न्याय और समानता सुनिश्चित करेंगे। विधि के छात्रों का उद्देश्य सिर्फ कानून पढ़ना नहीं, बल्कि मानवता की सेवा करना होना चाहिए ।कार्यक्रम में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अजय कुमार सिंह ने कहा कि मानव अधिकार समाज की नींव हैं, जो हर व्यक्ति को गरिमा और स्वतंत्रता के साथ जीने का अधिकार देते हैं। इस अधिकार की रक्षा करना न केवल सरकार का कर्तव्य है, बल्कि हर नागरिक की जिम्मेदारी भी है। आज का दिन हमें यह याद दिलाता है कि हमें समानता, स्वतंत्रता और न्याय के प्रति प्रतिबद्ध रहना चाहिए। इसी क्रम में डॉ०सन्तोष पाण्डेय ने कहा कि मानव अधिकार केवल नैतिक सिद्धांत नहीं हैं, बल्कि वे अंतरराष्ट्रीय शांति और विकास के लिए आवश्यक स्तंभ हैं ।यह विचार बताता है कि मानव अधिकार केवल व्यक्तिगत स्वतंत्रता का विषय नहीं है, बल्कि यह वैश्विक स्थिरता का आधार भी है। डॉ०विवेक सिंह ने बताया कि सभी मनुष्य जन्म से स्वतंत्र और समान अधिकारों के साथ पैदा होते हैं। उन्हें सम्मान और गरिमा के साथ जीने का अधिकार है। मानव अधिकारों की यह सार्वभौम घोषणा अंतरराष्ट्रीय कानून का आधार है, जिसे सभी राष्ट्रों ने सर्वसम्मति से स्वीकार किया है। डॉ०वन्दना गुप्ता ने कहा कि मानव अधिकार किसी सरकार का उपहार नहीं, बल्कि हर व्यक्ति का जन्मसिद्ध अधिकार है ।यह विचार सरकारों की जिम्मेदारी और नागरिकों के अधिकारों के बीच संबंध को स्पष्ट करता है। दूसरी ओर भाषण प्रतियोगिता में एलएल०एम० पाठ्यक्रम के विद्यार्थी प्रशांत सिंह, राधा मिश्रा एवं जितेंद्र कुमार वर्मा क्रमशः प्रथम ,द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहे। विजेताओं को पुरस्कार विधि संकायाध्यक्ष प्रो०अशोक कुमार राय द्वारा दिया गया। इस अवसर दिलीप शुक्ला सहित विद्यार्थियों की उपस्थिति रही।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना बनी जरूरतमंद की बेटी का संबलः वेद प्रकाश गुप्ता

अयोध्या। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत विकासखंड पूरा बाजार में आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में 161 जोड़ों में से 143 का विवाह संपन्न कराया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना जरूरतमंद की बेटी का संबल बन गई है।घ् कन्यादान मानव जीवन का सर्वोत्तम दान है जो वधू पक्ष के माता–पिता द्वारा विवाह मंडप में किया जाता है। उन्होंने बताया कि इस योजना के माध्यम से उन परिवारों को मदद मिल रही है जो धन के अभाव में अपनी पुत्रियों का कन्यादान नहीं कर पा रहे थे। विधायक गुप्ता ने भाजपा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में भी लोगों को विस्तृत जानकारी दी। समारोह में दूल्हे को पैंट–शर्ट, गैस चूल्हा, बर्तन, बैग, और दुल्हन को साड़ी, पायल, बिछिया जैसे उपहार भेंट किए गए। सभी नवविवाहित जोड़ों को विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने आशीर्वाद भी दिया। विशिष्ट अतिथि जिला समाज कल्याण अधिकारी रणविजय सिंह ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया और उनकी सफलता की कामना की। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार से मिलने वाली 51000 की आर्थिक सहायता में 10000 का सामान, 35000 नवविवाहित के खातों में और 6000 खर्च के रूप में दिए जाते हैं। इस अवसर पर विकासखंड अधिकारी पूरा अनुराग सिंह, प्रमुख संघ के जिला अध्यक्ष शिवेंद्र सिंह, गन्ना समिति के चेयरमैन दीपेंद्र सिंह, महिला मोर्चा की महामंत्री स्वाति सिंह सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों को मीडिया संस्कारों को अपनाना होगा :डा. शाह अयाज

-अवध विवि के पत्रकारिता विभाग में आधुनिक मीडियाः एक विमर्श विषय पर संगोष्ठी का आयोजन

अयोध्या (आरएनएस)। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग में मंगलवार को आधुनिक मीडियाः एक विमर्श विषय पर संगोष्ठी को आयोजन किया गया। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता आईसीएन इण्टरनेशनल मीडिया ग्रुप के मुख्य संपादक डॉ0 शाह अयाज सिद्दीकी रहे। विशिष्ट अतिथि आईसीएन यूपी के ब्यूरो चीफ अरविन्द कुमार सिंह राना व अध्यक्षता एमसीजे समन्वयक डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी ने की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ0 शाह अयाज ने कहा कि आधुनिक मीडिया का क्षेत्र बहुत बड़ा है। यह मीडिया एक वैश्विक प्लेटफार्म के रूप में उभरा है। उन्होंने कहा कि आधुनिक मीडिया के समक्ष चुनौतियां काफी बड़ी है। इसे अपनी विश्वनीयता बनाये रखने के लिए के अनुशासित रहना होगा। कार्यक्रम में उन्होने कहा कि छात्रों को अपनी भाषा पर मजबूत पकड़ बनाये रखनी होगी। मीडिया कवरेज में शब्दों का चयन एवं प्रस्तुति में शालीनता एवं मीडिया संस्कारों को अपनाना है। एक पक्षीय रिपोर्टिंग से बचना होगा। वर्तमान में एआई मीडिया के लिए सुविधापूर्ण जरूर है परन्तु इस पर आत्याधिक निर्भरता आपकी रचनात्मकता को कमजोर कर देगी। तकनीक का उपयोग अवश्य करे। परन्तु उसकी पराधीनता भविष्य के लिए ठीक नही है। कार्यक्रम में डॉ0 शाह ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र का बड़ा हिस्सा आज भी मीडिया कवरेज से वंचित है। इस पर सभी को ध्यान देने की जरूरत है।कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि आईसीएन यूपी के ब्यूरो चीफ अरविन्द कुमार सिंह राना ने कहा कि आधुनिक मीडिया में बेहतर संवाद एवं लेखन में निपुणता आवश्यक है। मीडिया में प्रयुक्त होने वाली तकनीक का स्वरूप दिनो दिन बदल रहा है। प्रभावी रिपोर्टिंग के विषय का ज्ञान आवश्यक है। निरन्तर अपने आपको अपडेट करते रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए एमसीजे समन्वयक डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी ने कहा कि आधुनिक मीडिया परम्परागत मीडिया से कहीं आगे बढ़ चुका है। अब पलक

झपकते ही खबरें डिजिटल प्लेट फार्म पर डिस्पले हो जाती हैं। इसमें समय की प्रतिबद्धता एवं संवाद कौशल पर केंद्रित करने की आवश्यकता है। इस दौरान डॉ0 शाह अयाज व बर्नाली बोस की पुस्तक जर्नलिज्म इन डिजिटल इरा का विमोचन किया गया। इसके अलावा छात्रों के ट्रेनिंग कराने पर चर्चा की गई। कार्यक्रम का संचालन विभाग की छात्रा अनुश्री यादव ने किया व धन्यवाद ज्ञापन विभाग के शिक्षक डॉ0 राजनारायण पाण्डेय ने किया। कार्यक्रम में विभाग के शिक्षक डॉ0 अनिल कुमार विश्वा के अलावा विद्यार्थियों में आदित्य, बृजेश, गीतांजली, आशु, पारूल, प्रियंका, तन्या, शगुन, शिवांगी, विवेक, दीप गोपाल, कल्याणी, एकता, शाम्भवी, कामिनी, गार्गी, दिवाकर, गौरव, निखिल, सुगन्धा, मानसी, निहारिका, आदर्श, प्रशांत सहित अन्य मौजूद रहे।

खड़े ट्रैक्टर ट्राली में पीछे से टकराए बाइक सवार चाचा-भतीजे हुई मौत,

मीरजापुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले में एक हादसे में बाइक सवार चाचा–भतीजे की दर्दनाक मौत हो गई है, मौत का कारण ट्रैक्टर ट्राली बना है. दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई थी, आनन–फानन में सभी को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया है जहां उनकी मौत हो गई है. यह दुर्घटना जिले के ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के हलिया ड्रमंडगंज मार्ग पर मझिगवां गांव में मंगलवार अपराह साढ़े तीन बजे के करीब सड़क किनारे खड़े ट्रैक्टर की ट्राली में अनियंत्रित होकर पीछे से टकराए जाने के बाद हुई है. बताया जा रहा है कि हलिया थाना क्षेत्र के राजपुर गांव निवासी 65 वर्षीय धर्मराज मिश्र अपने 20 वर्षीय भतीजे प्रशांत मिश्र पुत्र रामराज मिश्र के साथ सुबह बाइक से अपने एक रिश्तेदारी के यहां प्रयागराज जिले के मेजा गए हुए थे जहां से दोपहर में व अपने भतीजे के साथ बाइक पर सवार होकर घर वापस लौट रहे थे कि जैसे ही ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के मझिगवां गांव में पहुंचे थे कि सड़क किनारे खड़े ट्रैक्टर ट्राली में अनियंत्रित बाइक पीछे से जा घुसी. हादसे में दोनों बाइक सवार चाचा–भतीजे गंभीर रूप से घायल हो गए. मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने गंभीर रूप से घायल चाचा–भतीजे को उपचार के लिए एंबुलेंस से सरकारी स्वास्थ्य केंद्र हलिया भिजवाया. जहां प्रभारी चिकित्साधिकारी डाक्टर अवधेश कुमार ने दोनों चाचा–भतीजे को मृत घोषित कर दिया. दुर्घटना के बाद पुलिस

ने ट्राली में फंसी बाइक को बाहर निकलवाया है, वहीं ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया था. सूचना पाकर मृतक के परिजन भी रोते–बिलखते हुए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया पहुंच गए थे. मृतक धर्मराज मिश्र क्षेत्र के आदिशक्ति इंटर कालेज अदवा में पांच वर्ष पूर्व प्रधानाचार्य पद से सेवानिवृत्त हुए थे। मृतक प्रशांत अपने पिता का इकलौता पुत्र था. प्रशांत से छोटी दो बहनें हैं. घटना से स्वजन रो रोकर बेहाल हैं। प्रभारी निरीक्षक ड्रमंडगंज अरविंद कुमार सरोज ने बताया कि चाचा–भतीजे के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है तथा ट्रैक्टर ट्राली को कब्जे में लेकर फरार ट्रैक्टर चालक की तलाश की जा रही है.

दहशतगर्दी रु ष्कहां हो मिलना है हम सरकार कपिल बोल रहे हैं, नहीं मिलना है बोला तो घर आकर झोंक दी फायरिंग

'अवैध असलहा संग रिल्स बनाकर सोशल मीडिया के जरिए अपराध को दे रहे हैं बढ़ावा

मीरजापुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में भले ही बुल्डोजर का खौफ बना हो, लेकिन मिर्जापुर जिले में दबंगो, मनबढ़ों और अपराधियों में पुलिस का खौफ नहीं रहा है. जी हां यह हम नहीं कह रहे हैं लोगों में कहते सुना जा रहा है तो दबंगो मनबढ़ों के दहशतगर्दी भरे वायरल वीडियो इसे सच ठहराते हुए आएं हैं. ऐसा ही एक ताजा मामला देहात कोतवाली क्षेत्र के नकहरा गांव का बताया जा रहा है. जहां मनबढ़ युवकों ने एक युवक को पहले मोबाइल पर धमकी दी है, फिर असलहा समेत घर पर चढ़कर युवक को धमकाया और फायरिंग शुरू कर दहशत फैलाने का काम किया है.पीड़ित युवक का आरोप है कि मनबढ़ों ने रात में घर पर चढ़कर असलहा से फायरिंग की, गाली गलौज देते हुए जान से मारने की भी धमकी है. बताया जा रहा है किआरोपी सभी युवकों का आसपास के इलाके में खौफ रहता है, जो आए दिन राह चलते लोगों से भी मारपीट कर बैठते हैं. दरअसल, यह पूरा मामला देहात कोतवाली क्षेत्र के नकहरा गांव से जुड़ा हुआ है. जहां के रहने वाले आशीष विश्वकर्मा नामक युवक ने देहात कोतवाली पुलिस को लिखित तहरीर देकर आरोप लगाया है कि वह सोमवार, 09 दिसंबर 2024 की रात में बाजार गया हुआ था जहां उसके मोबाइल पर एक अनजान नंबर से कॉल आता है जिसे रिसीव करते हुए दूसरी ओर से आवाज आती है, ष्कहां हो तुम आओ तुमसे मिलना चाहते है.ष जब पूछा गया कि कौन बोल रहे हैं तो दूसरी ओर से फिर आवाज आती है, ष्हम सरकार कपिल बोल रहे हैं, तुमसे मिलना चाहते हैं.ष पीड़ित युवक ने जैसे ही कहा हम नहीं मिलना चाहते हैं तो रात्रि 08.30 बजे तकरीबन आधा दर्जन की संख्या में आएं हुए लोगों ने उसके घर पर धावा बोलकर अशब्दों की बौछार करते हुए फायरिंग करने लगे थे. सभी घर से बाहर निकलने पर गोली मार देने की धमकी देते रहे हैं. डरे–सहमे आशीष ने मौके से ही पीआरबी 112 नंबर पर डायल कर पुलिस को सूचना देने के साथ देहात कोतवाली पुलिस को भी नामजद तहरीर देते हुए कार्रवाई की गुहार लगाई है. उसने आशंका जताई है कि यदि आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई नहीं हुई तो वह लोग कभी भी कोई अप्रिय वारदात को अंजाम दे सकते हैं.

एटीएम से चोरी करने वाला युवक गिरफ्तार

मीरजापुर (एजेंसी)।जिले के जिगना पुलिस ने इण्डिया–1 एटीएम से पैसों की चोरी करने वाला शातिर युवक को गिरफ्तार किया है। जानकारी के मुताबिक जिले के जिगना थाना पुलिस को पर 29 सितंबर 2024 को इण्डिया–1 की फ्रेंचाइजी धारक सीता देवी पत्नी त्रिवेणी प्रसाद निवासिनी दीपनगर पल्हेरा थाना सन्तनगर जनपद मीरजापुर द्वारा अज्ञात के विरुद्ध इण्डिया–1 के अलग–अलग एटीएम के शटर में पट्टी चिपकार ग्राहकों का पैसा चोरी करने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई थी। इस सम्बन्ध में मिली तहरीर के आधार पर जिगना थाना पर 142।2024 धारा 303(1) बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई थी। मामले में पुलिस अधीक्षक अभिनन्दन द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी लालगंज के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक जिगना को आरोपियों की यथाशीघ्र गिरफ्तारी करने के निर्देश दिए गए थे।

अधिवक्ताओं ने बंग्ला देश के प्रशासक युनुस खान का पुतला फूंका

बांसगांव। सिविल बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं ने बुधवार को हिंदू जन आक्रोश यात्रा के समर्थन में बार एसोसिएशन के मंत्री विनय कुमार सिंह के नेतृत्व में विशाल जुलूस के शक्ल में सिविल जज सीनियर डिविजन के न्यायालय परिसर से निकलकर तहसील में उपजिलाधिकारी,तहसीलदार कार्यालय होते हुए जुलूस बांसगांव मुख्य चौराहे पर पहुंचकर बंगलादेश सरकार के अंतरिम शासक युनुस खान के पुतले को दहन करते हुए फूंक दिया।इस अवसर पर आक्रोशित अधिवक्ता ने बंगला देश विरोधी नारे लगाते हुए बंगलादेश में हिंदू अल्पसंख्यों पर मुस्लिम आक्रांताओं द्वारा किए जा रहे उत्पीड़न एवं बर्बरतापूर्ण कारवाही पर रोक लगाने की मांग किया तथा हिन्दू जन आक्रोश यात्रा का समर्थन किया। इस अवसर पर एडवोकेट श्रीनिवास भारती,राजेंद्र त्रिपाठी,यशवंत सिंह श्रीनेत, कृष्णमुरारी तिवारी,राधेश्याम सिंह,हरेंद्र बहादुर सिंह,विनोद सिंह,विनोद यादव,पवन पांडेय,रणंजय सिंह,अरुण गुप्ता,प्रेमनारायण सहित बड़ी संख्या में एडवोकेट उपस्थित रहे।

बांग्लादेश के खिलाफ गोरखपुर में विशाल जनआक्रोश रैली, हिन्दू एकता के नारे गूंजे''

गोरखपुर। बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचारों और हिंसा के विरोध में गोरखपुर के विभिन्न संगठनों ने एकजुट होकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान युवा जनकल्याण समिति गोरखपुर के नेतृत्व में एक विशाल जनआक्रोश रैली निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया। रैली का मुख्य उद्देश्य बांग्लादेश को हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचारों का कड़ा संदेश देना और हिन्दू एकता का प्रदर्शन करना था। प्रमुख रूप से आदित्य मिश्रा, आयुष चौधरी, सौरभ सिंह, नीरज विश्वकर्मा, जनार्दन चौधरी, अनील दूबे, वैभव पण्डित, नमन श्रीवास्तव,और अजय कुशवाहा' समेत अन्य युवा इस विरोध प्रदर्शन का हिस्सा बने।

बांग्लादेश में हिन्दू अल्पसंख्यको के उत्पीड़न विरोध में निकली जन आक्रोश रैली

कौड़ीराम,गोरखपुर।कौड़ीराम में व्यवसायियों ने बांग्लादेश में हो रहे हिन्दुओं पर अत्याचार को लेकर जन आक्रोश रैली कौड़ीराम संयुक्त व्यापार मंडल अध्यक्ष विशम्भर पाण्डेय के नेतृत्व में कौड़ीराम चौराहे पर निकाली गई। मालूम हो कि बांग्लादेश में हो रहे अत्याचार को लेकर स्थानीय लोग एवं व्यापारियों ने अपना आक्रोश व्यक्त किए। संयुक्त व्यापार मंडल अध्यक्ष विशम्भर पाण्डेय ने अपने संबोधन में कहा कि साधु संतों और हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा इसका जवाब दिया जाएगा। इस अवसर पर संगठन मंत्री राजबहादुर राय रविन्द्र गुप्ता,विरेन्द्र चौरसिया, दयाशंकर जायसवाल,संजय,मोदनवाल,सत्यप्रकाश मोदनवाल,गिरीश चंद, दीन बंधु मद्धेशिया,पवन, रामू चंद,मुन्नीलाल वर्मा,मनीष,राजेश कसौधन,अरुण राय,मनोज दूबे,अतुल राय व अन्य लोग मौजूद रहे।

'फरार अभियुक्तपर 82 सीआरपीसी की कार्यवाही'

गगहा गगहा थाना क्षेत्र के मु.अ.सं. 145ध्2024 (धारा 307, 324, 506 आईपीसी) के अभियुक्त राधे सोनकर, निवासी कहला, घटना के बाद से फरार चल रहे हैं। उपनिरीक्षक रविन्द्र प्रताप यादव ने माननीय न्यायालय के आदेशानुसार उनके आवास पर 82 सीआरपीसी की नोटिस चस्पा कर मुनादी कराई।

मरोहिया ब्लाक पर विधिक साक्षरता जागरुकता शिविर लगाया गया

जिला जज तेज प्रताप तिवारी रहे मौजूद

भरोहिया भरोहिया ब्लाक पर बुधवार को महिलाओं के हित में बनाए गए संरक्षण कानून की जागरूकता के लिए विधिक साक्षरता एवं जागरूकता का शिविर लगाया गया। जिला जज ने महिलाओं को जागरूक करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने ने कहा जिस बेटी को जलाया जाता है तो उसके पीछे भी महिला का ही हाथ होता है। महिलाओं को जागरूक होना पड़ेगा। जब तक महिलाएं जागरूक नहीं होगी तब तक परिणाम नहीं मिलेगा। संविधान ने जो अधिकार महिलाओं को दिया है उसको समझना होगा। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गोरखपुर के अध्यक्ष एवं जनपद न्यायाधीश तेज प्रताप तिवारी, सचिव एवं अपर जनपद न्यायाधीश विकास सिंह, एसीजेएम अरूण कुमार यादव, उपजिलाधिकारी रोहित मौर्य, नायब तहसीलदार हंसराज, बीडीओ अरूण कुमार, एडीओ पंचायत केरकेट्टा, थानाध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह सहित सैकड़ों की संख्या में महिलाएं व कर्मचारी मौजूद रहे ।

मुण्डेरवा में किसान पंचायत लगाकर ज्ञापन सौंपा गया

गोरखपुर। भारतीय किसान यूनियन का मुंडेरवा में किसान शहीद स्थल चीनी मिल गेट पर किसान पंचायत लगाकर ज्ञापन सौंपा गया। जिसके मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी नरेश टिकैत रहे । भारी संख्या में भाकियू के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे । राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लंबरदार, राष्ट्रीय महासचिव राजवीर सिंह

जादौन, प्रदेश उपाध्यक्ष सुभाष चंद्र किसान, प्रदेश संगठन मंत्री जगराम चौधरी, पूर्वांचल अध्यक्ष अनूप चौधरी, पूर्वांचल महासचिव शोभाराम ठाकुर, जिलाध्यक्ष गोरखपुर आशीष कुमार अग्रहरी, युवा जिला अध्यक्ष महाराजगंज इलियास अहमद, महराजगंज महिला जिलाध्यक्ष सकीना खातून एवं समस्त मंडल अध्यक्ष एवं जिला अध्यक्ष, तहसील अध्यक्ष एवं ब्लाक के अध्यक्ष व भारी संख्या में पदाधिकारी तथा कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

केपी मेमोरियल इंटर कालेज में तीन दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता संपन्न

गोरखपुर। खजनी ब्लॉक स्थित केपी मेमोरियल इंटर कॉलेज में तीन दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता का भव्य समापन हुआ। कार्यक्रम के अध्यक्ष विद्यालय के चेयरमैन प्रदीप त्रिपाठी थे, जबकि मुख्य अतिथि सैलेश मणि त्रिपाठी उर्फ मोबाइल बाबा रहे। कार्यक्रम का संचालन देव प्रताप पांडेय ने किया। प्रतियोगिता में कबड्डी, खो–खो, लंबी दौड़ और लंबी कूद जैसे खेल शामिल थे। बच्चों को उनके प्रदर्शन के आधार पर प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर पुरस्कार प्रदान किए गए। प्रधानाचार्य ने सीटी बजाकर खेल की शुरुआत की।

'मानवाधिकार दिवस पर अखिलभाग्य महाविद्यालय में कार्यक्रम आयोजित'

'ब्रह्मपुर, गोरखपुर।' मानवाधिकार महाविद्यालय, रानापार में एक विशेष कार्यक्रम माधव प्रसाद पांडेय ने मानवाधिकारों के मानवाधिकार व्यक्ति के जीवन, स्वतंत्रता, जिन्हें भारतीय संविधान के भाग तीन में गया है। विशिष्ट अतिथि डॉ. राजेश्वर मिश्र शुरुआत संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 10 सार्वभौमिक घोषणा पत्र को अपनाने के साथ दिवस मनाया जाता है। कार्यक्रम का न्यवाद ज्ञापन बीएड विभाग की शिक्षिका पर महाविद्यालय के शिक्षक, छात्र–छात्राएं कार्यक्रम में डॉ. अशोक मिश्र, डॉ. सरवर सिंह, डॉ. अनुपम सिंह, संजीव यादव, डॉ. डॉ. अंजू मिश्रा, डॉ. रूपा सिंह, बबीता सिंह, इरफान, डॉ. मनीष कुमार, डॉ. संतोष पासवान, हुसैन, राजेश सिंह, डॉ. रीता रानी, अपूर्वा साहनी सहित कई अन्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने मानवाधिकारों की व्यापकता और उन्हें सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि यह अधिकार न केवल संविधान द्वारा दिए गए हैं, बल्कि इन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी मान्यता प्राप्त है। दिवस के अवसर पर अखिलभाग्य आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि समानता और प्रतिष्ठा से जुड़े अधिकार हैं, ष्मूलभूत अधिकारष् के रूप में वर्णित किया ने कहा कि मानवाधिकार दिवस की दिसंबर 1948 को मानवाधिकारों के हुई। तभी से हर वर्ष 10 दिसंबर को यह संचालन योगेंद्र कुमार ने किया और ध आरती माला सिंह ने किया। इस अवसर और अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अहमद, डॉ. आराधना सिंह, डॉ. शालिनी अरविंद कुमार, डॉ. हरिलाल, विवेक कुमार, डॉ. अजय ओझा, डॉ. राजनाथ सिंह, डॉ. डॉ. डी.के. राव, विद्यानंद सिंह, सद्दाम

जामवंती पाण्डेय स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

सर्वेश श्रीवास्तव ब्यूरो

शाहगंज–सोनभद्र। जिले के घोरावल में बुधवार को जामवंती पाण्डेय स्मृति क्रिकेट गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बीडीओ कोन बीडीओ गुरु शरण श्रीवास्तव थे वहीं कार्यक्रम यह कार्यक्रम विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी स्वर्गीय माता जी की स्मृति में यह क्रिकेट से जुड़े आयोजक गण जो हमारे बीच नहीं रहे ार द्विवेदी व स्वर्गीय विनय कुमार शर्मा को भी व अध्यक्ष द्वारा पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ पांडेय व निर्देश धर द्विवेदी द्वारा सविधि स्वस्ती कराया गया व खिलाड़ियों का परिचय अध्यक्ष अतिथियों का स्वागत माल्यार्पण स्मृति चिन्ह उद्घाटन मैच में घोरावल व नगवा की टीम के खिलाड़ियों को व दोनों एम्पायरो को उसी ड्रेस में खिलाड़ियों ने फिल्ड में उतर प्रत्येक प्रतिभागी के सभी खिलाड़ियों को दिया जाएगा। जितने व हारने वाली दोनों टीम को ड्रेस मेडल व मैन आफ द मैच विशेष आकर्षण का केंद्र बना रहा। घोरावल की टीम ने बैटिंग पहले कर 10 ओवर में 144 रन बनाया गया। वहीं नगवा की टीम ने 10 ओवर में 109 रन बनाया।इस प्रकार घोरावल की टीम 35 रन से विजेता रही। जिसके मैन आफ द मैच साहिल रहे। इस अवसर पर विवेकानंद मिश्र, रमेश कुमार कुशवाहा, राजू केशरी, रिशू द्विवेदी, जगदीश शर्मा, राधेश्याम वैसवार, राम सनेही पाठक, राम जी धर, कृष्ण धर, रविन्द्र धर, राम सनेही पाठक, गोविंद धर, सुरेश धर, राम अनुज धर द्विवेदी व संचालन रामकेश ने किया। तहसील क्षेत्र के महुआंव पाण्डेय ग्राम पंचायत प्रतियोगिता का शुभारंभ अतिथियों द्वारा किया जितेन्द्र नाथ दूबे व घोरावल ब्लाक के पूर्व के अध्यक्ष समाजसेवी चन्द्र शेखर पाण्डेय थे। किया जा रहा है। चन्द्र शेखर पाण्डेय अपने प्रतियोगिता करा रहे हैं साथ में इस कार्यक्रम स्वर्गीय संजय धर द्विवेदी व स्वर्गीय अजय ध याद कर शोक व्यक्त किया गया। मुख्य अतिथि किया गया। शुभारंभ का पूजन आचार्य सतीश वाचन कर दीप प्रज्ज्वलित कर फीता काटकर द्वारा करके अपना वक्तव्य दिया।इसके बाद बुके, अंग वस्त्र आदि देकर किया गया। टीम के बीच मैच खेला गया। जिसमें दोनों निर्धारित ड्रेस आयोजक द्वारा दिया गया व खेल की शुरुआत की। यह ड्रेस सभी

पत्रकारों ने हर्षोल्लास से मनाया सूचना निदेशक का जन्मदिन

लखनऊ। सूचना निदेशक श्री शिशिर सिंह(आई.ए.एस.)का जन्मदिन सूचना विभाग में बड़े ही उत्साह और उमंग के साथ पत्रकारों ने मनाया। पत्रकारों ने शिशिर को जन्मदिन की हार्दिक बधाई देते हुए उनके स्वस्थ व दीर्घायु जीवन की कामना की।

इस अवसर पर श्री शिशिर ने पत्रकारों के साथ केक काटकर एवं मिठाई खिलाकर अपनी खुशी का इजहार किया।

इस अवसर पर शिव शरण सिंह मण्डल अध्यक्ष यूपी वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन,उत्तर प्रदेश मान्यता प्राप्त संवाददाता समिति के सचिव भारत सिंह,उपाध्यक्ष अविनाश चंद मिश्रा,राघवेंद्र त्रिपाठी,संयुक्त सचिव विजय त्रिपाठी,सदस्य अब्दुल वहीद,भूपेन्द्र मणि त्रिपाठी, रितेश सिंह,अपर सूचना निदेशक अंशुमान राम त्रिपाठी,जे पी सिंह,लेखाधिकारी संजय सिंह,परशुराम मौर्या,वरिष्ठ पत्रकार अविनाश शुक्ला, त्रिपाठी,विक्रम सिंह संजीव कपासिया,नवलकांत सिन्हा, सुरेश यादव,सुनील कुमार वर्मा,आशीष कुमार सिंह,उत्तर प्रदेश जिला मान्यता प्राप्त पत्रकार एसोसिएशन के चेयरमैन अजीज सिद्दीकी,सचिव जुबैर अहमद,देवराज सिंह,शिव विजय सिंह, संजय सिंह,ध नंजय सिंह,अजय कुमार सिंह,के के सिंह,नजम अहसन,आलोक गुप्ता,अजय सिंह,सुनील,छायाकार आरिफ मुकीम,अंब्रिश सिंह,पवन सिंह,तमन्ना फरीदी,शशांक श्रीवास्तव,प्रमिला चंदानी, सुनील साथ ही भारी संख्या में पत्रकारगण और सूचना विभाग के कपिल सिंह,शालिनी तोमर, प्रमोद ,संदीप ओझा,राहुल आदि मौजूद थे।इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार शिव शरण सिंह और अब्दुल वहीद ने कहा कि श्री शिशिर जी के नेतृत्व में प्रदेश का सूचना निदेशालय नई ऊँचाइयों को छू रहा है और पत्रकारों के हित संरक्षण में भी अतुलनीय भूमिका निभा रहे हैं।परमपिता परमात्मा से यही कामना है कि श्री शिशिर जी सदैव स्वस्थ व सानन्द रहें और दीर्घायु हों। शिशिर जी के नेतृत्व में प्रदेश का सूचना निदेशालय नई ऊँचाइयों को छूकर उत्तर प्रदेश सरकार की नीतियों और उपलब्धियों को जन जन तक पहुंचाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।उत्तर प्रदेश सरकार की नीतियों और उपलब्धियों को जन जन तक पहुंचाने में अव्वल साबित हुए है सूचना निदेशक।अपनी कार्यशैली के जरिए उन्होंने पत्रकारों का दिल जीत लिया है।

'प्रांतीय रक्षक दल का 76वां स्थापना दिवस समारोह का हुआ आयोजन।

देवरिया ।युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल विभाग, देवरिया के तत्वाधान में प्रांतीय रक्षक दल का 76वां स्थापना दिवस समारोह बाबा राघव दास इंटर कॉलेज के प्रांगण में मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला विकास अधिकारी रविशंकर राय ने की, जबकि मुख्य अतिथि सदर विधायक शलभ मणि त्रिपाठी रहे। मुख्य अतिथि को प्रांतीय रक्षक दल के जवानों ने मान–प्रमाण सलामी दी।

समारोह के दौरान कई रोचक कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रांतीय रक्षक दल के जवानों ने परेड मार्च पास्ट में भाग लिया, जिसमें 22–22 जवानों की तीन टोलियां शामिल थीं। एक महिला जवानों की टोली भी इस परेड का हिस्सा रही। टोली नंबर 2 को सर्वश्रेष्ठ टोली के पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

इसके अलावा विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गई जिनमें कबड्डी, वॉलीबॉल और एथलेटिक्स जैसे खेल शामिल थे। सभी पीआरडी जवानों को युवा कल्याण विभाग की ओर से टी–शर्ट भेंट की गई।

इस अवसर पर क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी नीरज कुमार मिश्रा, क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी संतोष कुमार, बाबा राघव दास इंटर कॉलेज के प्रिंसिपल, प्रवक्ता दिनेश मणि त्रिपाठी, धर्मशील तिवारी और विभिन्न विकासखंडों से आए प्रांतीय रक्षक दल के जवान उपस्थित रहे।

कुडौली में आयोजित हुआ भगवान परशुराम के चौथे स्थापना दिवस पर कार्यक्रम

सोहावल–अयोध्या।कुडौली में आयोजित भगवान परशुराम के चतुर्थ मंदिर स्थापना दिवस पर प्रदेश की राजधानी से आए भाजपा के नेताओं ने हिंदू और हिंदुत्व के मुद्दे पर बेबाकी से अपनी बात रखी। विपक्षी दलों के नेताओं को मुस्लिम कट्टरवादियों का नेता बताया और हिंदुत्व वादियों को अपनी सहिष्णुता छोड़ने की सलाह दी। मंगलवार को गांव निवासी समाजसेवी और भाजपा के बाहुबली नेता माने जाने वाले करूणाकर पांडेय बब्बू परिवार द्वारा स्थापित भगवान परशुराम के मंदिर का चतुर्थ स्थापना दिवस मनाया गया। इसे समाज सेवी ने अपने जन्म दिवस के रूप में भी मनाया और प्रदेश के मोहन लालगंज विधायक अमरेश कुमार और महिला पिछड़ा आयोग की सदस्या ऋचा राजपूत सहित कई नेताओं के साथ कंबल और साड़ी वितरण के लिए बड़ी संख्या में महिलाओं को आमंत्रित किया। समाजसेवी को शुभकामना देने के साथ अपने संबोधन में दोनो मुख्य अतिथियों ने नारी सशक्तिकरण और हिंदुत्व के मुद्दे की जमकर वकालत की। विधायक अमरेश ने कहा हिन्दू धर्म और हिंदुत्व के लिए मुस्लिम कट्टर वादिता खतरे की घंटी है यह आज सनातन समाज के लिए खतरा बन चुका है। वहीं महिला पिछड़ा वर्ग की सदस्या ऋचा ने बड़े बेबाकी से अपनी बात रखते हुए कहा हिन्दू और हिंदुत्व एक भावना है इसकी रक्षा के लिए हिन्दू समाज को अपनी सहिष्णुता छोड़ना होगा।

डा. गौरव पांडेय ने किया ए आर मेडिकोज का उद्घाटन

चौरीचौरा,

नई बाजार पलिपा रोड पर बुधवार को ए आर मेडिकोज का उद्घाटन वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. गौरव पांडेय ने किया। फीता काटने के बाद उन्होंने कहा कि गुणवत्तापरक दवाओं से बीमारियों का सही इलाज संभव है। संचालक जानकी शरण शुक्ला ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। उद्घाटन के दौरान जगमोहन शुक्ला, अनिल शुक्ला, दीनानाथ तिवारी, अजय दुबे, गंगा सागर, राजन दुबे, वशिष्ठ मणि, कृष्ण मोहन, पन्नेलाल, ओम प्रकाश शुक्ला, शिवम शुक्ला और दयानिधि समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

देवरिया में स्पा सेंटरों पर पुलिस की छापेमारी

देवरिया। रविवार की रात एसडीएम विपिन कुमार द्विवेदी और सीओ सिटी संजय कुमार रेड्डी के नेतृत्व में पुलिस ने देवरिया शहर के भटवलिया और रुद्रपुर तिराहा स्थित स्पा सेंटरों पर छापेमारी की। असामाजिक गतिविधियों की शिकायतों पर कार्रवाई करते हुए टीम ने परिसर की गहन तलाशी ली और कर्मचारियों से पूछताछ की। पुलिस को कोई आपत्तिजनक सामग्री नहीं मिली। अधिकारियों ने संचालकों को नियमानुसार संचालन करने की सख्त चेतावनी दी।

1.5 कुंटल गांजा बरामद, दो तस्कर गिरफ्तार

देवरिया। रामपुर कारखाना पुलिस और एसटीएफ लखनऊ की संयुक्त टीम ने देसही मोड़ के पास एक कंटेनर ट्रक से 1.5 कुंटल गांजा बरामद कर दो तस्करों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में मजहर अली और अभिमन्यु सिंह शामिल है। सन्नी मद्धेशिया, जो ष्साई राम ट्रेडर्सष् नामक फर्म के संचालक हैं, ने आरोप लगाया कि 007 नामक एक चौनल ने उनके खिलाफ झूठी खबरें चलाईं। इसके बाद, सृजन कुमारी के नाम से रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर से उन्हें फोन कर कहा गया कि उनके खिलाफ सीबीआई जांच चल रही है। फोन करने वाले ने मामले को ष्सेटिलष् करने के लिए काठमांडू आने का दबाव डाला।सन्नी ने कहा कि उन्होंने किसी प्रकार की गैरकानूनी गतिविधि नहीं की है और नियमानुसार जवाब देने की बात कही। इसके बावजूद, फोन पर ध मकी दी गई कि अगर मामला नहीं निपटाया गया,

कैम्पियरगंज बार एसोसिएशन ने हिन्दू जन आक्रोश के तहत उपजिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा

कैम्पियरगंज गोरखपुर। कैम्पियरगंज बार एसोसिएशन ने हिन्दू जन आक्रोश के तहत राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी रोहित मौर्य को सौंपा। हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार को लेकर कैम्पियरगंज बार एसोसिएशन ने हिन्दुओं की भावनाओं के समर्थन में कैम्पियरगंज के उपजिलाधिकारी रोहित मौर्य को राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर बार एसोसिएशन के पदाधिकारीगण, शासकीय अधिवक्ता वीरेंद्र सिंह, बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सुनील मिश्रा, जयहिंद सहित सैकड़ों की संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे।

कैम्पियरगंज बार एसोसिएशन ने ट्रांसफार्मर हटाने की मांग किया

कैम्पियरगंज गोरखपुर । तहसील के प्रशासनिक भवन के उत्तर तरफ स्थित विद्युत ट्रांसफॉर्मर को वहाँ से हटाकर और उत्तर स्थित पुलिया के पास एक किनारे व्यवस्थित करने की मांग उपजिलाधिकारी से की गई। अधिवक्ताओ ने कहा कि उक्त ट्रांसफॉर्मर अधिवक्ता चेंबर के सामने आ गया है। जिससे लोगों को असुविधा हो रही हैं।उपजिलाधिकारी ने विद्युत विभाग के अभियंता को अन्यत्र स्थापित करने का निर्देश दिया है।

गोरखपुरःबेटे के धक्के से वैज्ञानिक की पत्नी की मौत, गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज

गोरखपुर के पिपराइच इलाके में वैज्ञानिक राममिलन विश्वकर्मा की पत्नी आरती विश्वकर्मा (45) की मौत के मामले में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। पुलिस जांच में पता चला कि उनकी मौत उनके 12वीं कक्षा में पढ़ने वाले बेटे के धक्का देने से हुई थी। बेटे ने पुलिस की पूछताछ में अपना जुर्म स्वीकार कर लिया है।आरती अपने 17 वर्षीय बेटे के साथ गोरखपुर के पिपराइच इलाके में रहती थीं। उनके पति राममिलन भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, चेन्नई में सहायक वैज्ञानिक के पद पर कार्यरत हैं। 3 दिसंबर की शाम राममिलन ने पत्नी और बेटे के मोबाइल पर कॉल किया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। अगले दिन उन्होंने अपनी साली को घर भेजा। घर का दरवाजा बंद था, और पास के एक मंदिर में बेटा बैठा मिला।

4 दिसंबर को राममिलन घर पहुंचे और दरवाजा खोलकर अंदर गए, तो किचन के पास फर्श पर आरती का शव मिला। शव काफी हद तक सड़ चुका था।पुलिस की पूछताछ में बेटे ने बताया कि उसकी मां उसे स्कूल जाने का दबाव बना रही थीं। जब वह उसे मारने के लिए आगे बढ़ीं, तो उसने गुस्से में उन्हें धक्का दे दिया। आरती फर्श पर गिर पड़ीं, जिससे उनके सिर में गहरी चोट लग गई। खून देखकर बेटा डर गया और घर पर ताला लगाकर स्कूल बैग लेकर बाहर निकल गया।रामममिलन की शिकायत पर पिपराइच थाने में बेटे के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया गया। एसपी उत्तरी जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि बेटे पर पहले दिन से ही शक था। पूछताछ के दौरान उसने अपना अपराध स्वीकार कर लिया।बेटे को हिरासत में लेकर जांच जारी है। इस घटना ने क्षेत्र में सनसनी फैला दी है और पारिवारिक संबंधों में बढ़ते तनाव को उजागर किया है।

पूर्वांचल शोषित समाज अपना पार्टी का प्रतिनिधि मंडल अमटौरा जाने से रोका गया

सहजनवा। गीडा थाना क्षेत्र के अमटौरा गांव में शिवधनी निषाद की दबंगों द्वारा गोली मारकर हत्या किए जाने के बाद राजनैतिक हलचल तेज हो गई। विभिन्न विपक्षी दलों के नेता पीड़ित परिवार से मिलने की कोशिश कर रहे थे। प्रशासन ने स्थिति को नियंत्रित रखने के लिए विपक्षी नेताओं को गांव में प्रवेश करने से रोक दिया। बुधवार को पूर्वांचल शोषित समाज अपना पार्टी का प्रतिनिधि मंडल भी पीड़ित परिवार से मिलने के लिए रवाना हुआ। लेकिन देईपार चौराहे पर पुलिस प्रशासन ने राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रमोद कुमार निषाद एडवोकेट, राष्ट्रीय महासचिव लालजी भाई निषाद, प्रदेश महासचिव अमरजीत निषाद, प्रदेश सचिव राकेश मिश्रा, जिलाध्यक्ष दिनेश चंद्रपाल, प्रदेश प्रभारी मुरलीधर निषाद, जिला महासचिव जागीर निषाद, अनुसूचित प्रकोष्ठ अध्यक्ष अर्जुन राव, और दीप लाल निषाद सहित पार्टी के अन्य कार्यकर्ताओं को रोक दिया और उन्हें वापस भेज दिया।

सीमाई क्षेत्र में व्यापारी को धमकी देने का मामला

महराजगंज। नौतनवा निवासी सन्नी मद्धेशिया ने पुलिस अधीक्षक और मुख्यमंत्री को शिकायती पत्र भेजकर नेपाल और भारत की सर्वोच्च जांच एजेंसियों के नाम पर धमकी देने का आरोप लगाया है। बरामद गांजे की कीमत लगभग 18 लाख रुपये आंकी गई। आरोपियों पर एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया।

शादी में हर्ष फायरिंग में गई मासूम की जान

देवरिया। बरहज थाना क्षेत्र के गड़ैना गांव में सोमवार को जयमाल के दौरान हर्ष फायरिंग में तीन बच्चे घायल हो गए। इनमें से 8 वर्षीय अभिनंदन उर्फ कान्हा की इलाज के दौरान मौत हो गई।घटना

स्वामी,प्रकाशक,मुद्रक,**सम्पादक कपिल देव शुक्ल** द्वारा विभव प्रिंटर्स गाटा सं025 लोलेपुर सुलतानपुर उ० प्र०. से मुद्रित तथा सलीमपुर ग्रेन्ट, पो० व थाना कुरेभार, जिला–सुलतानपुर (उ०प्र०) से प्रकाशित **सम्पादक– कपिल देव शुक्ल**,
मो० 9415739288,9721748962
E-mail: kdshukla-79@gmail.com समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र सुल्तानपुर न्यायालय होगा।